केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

04 मई 2025

रविवार

नीतीश का विजय रथ रोकने के लिए तेजस्वी पांच महारथी संग बनाएंगे प्लान

5

वायुसेना ने रचा कीर्तिमानः गंगा एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग

एजेंसी/लखनऊ

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर अपना पराक्रम दिखाया। आसमान का सीना चीरते हुए राफेल, सुखोई-30, जगुआर, मिग-29 और सुपर हरक्यूलिस विमानों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर जलालाबाद के पीरू गांव के पास बनी हवाई पट्टी को चूमा। इसी के साथ भारतीय वायुसेना के इतिहास में गौरव का एक और अध्याय जुड़ गया। अब भारत भी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग कराने वाले देशों के क्लब में शामिल हो गया है।

प्रस्तावित एयर शो खराब मौसम के कारण करीब एक घंटे विलंब से शुरू हुआ। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लड़ाकू विमानों की गर्जना ने वहां मौजूद लोगों के दिलों में रोमांच पैदा कर दिया। बरेली के त्रिशूल एयरबेस से उड़ान भरने के बाद वायुसेना के विमान और हेलिकॉप्टर गंगा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर टच एंड गो करते रहे। एमआई-17 वी-5 हेलिकॉप्टर से जवानों ने रस्सी के सहारे नीचे उतरने का अभ्यास किया। दोपहर 12:40 बजे शुरू हुआ एयर शो करीब 2:30 बजे तक चलता रहा। शुरूआत सैन्य परिवहन विमान एएन-32 की लैंडिंग से हुई। इसके बाद सी-130 जे हरक्यूलिस विमान नीचे उतरा। फिर जगुआर, सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, राफेल के दो-दो विमान गर्जना करते हुए गुजरे। इस दौरान हजारों क्षेत्रवासी दूर से ही वायुसेना का शौर्य प्रदर्शन देखते रहे। रात नौ बजे से लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग शुरू हुई। रात दस बजे तक विभिन्न लड़ाकू विमान एक्सप्रेसवे पर लैंडिंग और टेकऑफ करते रहे। इस दौरान शाम सात से रात दस बजे तक कटरा-जलालाबाद हाईवे को वाहनों के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया। आपात स्थिति में मददगार होगी वैकल्पिक हवाई पट्टी देश में पहली बार किसी एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर रात में लड़ाकू विमान उतरे। इसके पीछे का उद्देश्य यह है कि युद्ध की स्थिति में अगर दुश्मन देश बमबारी कर एयरबेस की हवाई पट्टी को नष्ट कर दे तो विकल्प के रूप में एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी का इस्तेमाल किया जा सके। आपात स्थिति में तत्काल सैन्य कार्रवाई के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। हाईवे को सफर के साथ ही देश की सुरक्षा में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। मिग-29 व जगुआर ने भी दो-दो बार टच डाउन किया।

सुखोई-30 की कलाबाजियों ने किया रोमांचित : दो सुखोई-30 विमानों ने छह बार हवाई पट्टी को चूमा। साथ ही काफी कम ऊंचाई पर कलाबाजियां दिखाकर लोगों के दिल को रोमांच से भर दिया। दो राफेल विमानों ने भी हवाई पट्टी पर टच डाउन किया। सुपर हरक्यूलिस ने भी दो बार एक्सप्रेसवे को छुआ। सुखोई-30 एमकेआई यह चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जो अधिकतम 2120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल समेत कई घातक हथियार लोड किए जा सकते हैं।

खबरें फटाफट

दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम का असर, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय पर शनिवार को उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम और तकनीकी खामियों के चलते अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों के आने और जाने के समय पर फर्क पड़ा। वहीं दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शनिवार शाम को घोषणा की कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के पूवार्नुमान के कारण अगले दो घंटों तक उड़ान संचालन प्रभावित रहने की संभावना है। जिससे कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। खराब मौसम के कारण कुछ देर के लिए हवाई जहाज की उड़ाने बाधित रही।

राष्ट्रद्रोही कांग्रेस अब राम द्रोह पर उतारू

नई दिल्ली। भाजपा ने कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक वीडियो शेयर किया है। जिसके शुरूआत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भगवान राम पर टिप्पणी करते हुए सुने जा सकते हैं। इसके बाद भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला राहुल गांधी और कांग्रेस पर कई आरोप लगाते दिख रहे हैं।इसके साथ भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा- राष्ट्र द्रोही कांग्रेस, अब राम द्रोही कांग्रेस, राहुल गांधी कहते हैं कि प्रभु राम पौराणिक या काल्पनिक हैं। इससे इनकी मानसिकता झलकी है।

बिजली के झटके ने श्रद्धालुओं के बीच दहशत फैलाई, जिससे स्थिति और बिगड़ गई

गोवा के श्रीलैराई देवी मंदिर में मची भगदड़ से सात की मौत, 50 घायल

एजेंसी/गोवा

गोवा के शिरगांव गांव में श्रीलैराई देवी मंदिर के वार्षिक जुलूस, श्रीदेवी लैराई यात्रा, के दौरान शुक्रवार देर रात से शनिवार तड़के एक भीषण त्रासदी ने सैकड़ों श्रद्धालुओं के उत्साह को मातम में बदल दिया। इस भगदड़ में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 50 सेगोवा के शिरगांव गांव में श्रीलैराई देवी मंदिर के वार्षिक जुलूस, श्रीदेवी लैराई यात्रा, के दौरान शुक्रवार देर रात से शनिवार तड़के एक भीषण त्रासदी ने सैकड़ों श्रद्धालुओं के उत्साह को मातम में बदल दिया। इस भगदड़ में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। यह मंदिर गोवा की राजधानी पणजी से करीब 40 किलोमीटर दूर बिचोलिम तालुका में स्थित है। इस हादसे ने न केवल गोवा, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। श्रीलैराई यात्रा, जो हर साल मई में आयोजित होती है, गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण अग्निदिव्य अनुष्ठान है, जिसमें धोंड्स नामक श्रद्धालु नंगे पैर जलते अंगारों पर चलकर देवी लैराई की कृपा प्राप्त करते हैं। शुक्रवार को शुरू हुई इस यात्रा में 50,000 से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। तड़के

4-4:30 बजे के आसपास, अचानक भीड़ में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ढलान वाले रास्ते पर भीड़ अनियंत्रित हो गई। कुछ लोगों के पैर फिसलने से भगदड़ शुरू हो गई। कुछ सूत्रों ने बताया कि एक संभावित बिजली के झटके ने भीड़ में दहशत फैलाई, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। यह पूरी तरह से अराजकता थी। लोग एक-दूसरे पर गिर रहे थे, चीख-पुकार मची थी, और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। एक स्थानीय श्रद्धालु ने बताया।

प्रशासन की प्रतिक्रिया और आपातकालीन उपायः घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं सक्रिय हो गईं। पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों ने घायलों को सुरक्षित निकालने के लिए तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से पांच एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेजी गईं, जबकि तीन अन्य को असिलो में और तीन को स्टैंडबाय पर रखा गया। घायलों को गोवा मेडिकल कॉलेज, नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, और असिलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। राणे ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि कुल 30 घायलों में से 8 की हालत गंभीर है, जिनमें 2 को वेंटिलेटर पर रखा गया है। चार लोगों (2 पुरुष, 2 महिला) को अस्पताल लाए जाने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि 10 लोगों को मामूली चोटों के लिए उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का दौरा : गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने तत्काल नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल और गोवा मेडिकल कॉलेज का दौरा कर घायलों का हाल जाना। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि शिरगांव में लैराई यात्रा के दौरान हुई भगदड़ से गहरा दुख हुआ। मैंने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मैं स्थिति की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहा हूं। सावंत ने यह भी बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर स्थिति का जायजा लिया और केंद्र की ओर से पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। पीएम मोदी के कार्यालय ने पर पोस्ट किया कि शिरगांव में भगदड़ से हुई मौतों पर शोक व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

गुजरात में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत, 8 घायल

साबरकांठा। जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। इसमें जीप-बस और दोपहिया की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई है। जबकि आठ घायल गंभीर रूप से घायल हो गये है। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के साबरकांठा जिले में जीप, बस और बाइक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। हादसा हिंगटिया गांव के पास राजमार्ग पर हुआ, जब जीप और बस की आमने-सामने भिड़ंत के बाद बाइक आकर टकरा गई। गुजरात के साबरकांठा जिले में शनिवार को एक जीप, राज्य परिवहन की बस और एक दोपहिया वाहन की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा हिंगटिया गांव के पास एक राजमार्ग पर उस समय हुआ, जब जीप और बस में की आमने-सामने टक्कर हो गई। खेड़ोज थाने के निरीक्षक एन.आर. उमट ने बताया कि भिड़ंत के बाद एक मोटरसाइकिल आकर जीप से टकरा गई, जिस पर तीन लोग सवार थे।पुलिस ने बताया कि मृतकों में से ज्यादातर लोग जीप में सवार थे। भिड़ंत के बाद जीप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बस अंबाजी से वडोदरा जा रही थी और जीप दूसरी दिशा से आ रही थी। घायलों का उपचार हिम्मतनगर के अस्पताल में चल रहा है, जो जिला मुख्यालय है। मृतकों में अधिकतर पुरुष हैं और साबरकांठा जिले के निवासी थे।

भारत-पाक टेंशन के बीच पीएम मोदी से मिले नेवी चीफ त्रिपाठी

नेवी सुरक्षा को लेकर चली लंबी बातचीत

♦ नवसेना चीफ ने प्रधानमंत्री को समुद्र में भारत की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दी पूरी जानकारी

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने भारत की समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। इससे पहले, उमर अब्दुल्ला ने भी पीएम मोदी से मुलाकात की और पहलगाम हमले पर बात की। पाकिस्तान ने एलओसी पर गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने जवाब दिया। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके सरकारी घर पर मुलाकात की। ऐसी चर्चा है कि नेवी चीफ ने पीएम मोदी को समुद्र में भारत की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी दी है। इस बैठक से पहले पीएम मोदी से जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की और पिछले हफ्ते पहलगाम में हुए आतंकी हमले समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री के आवास पर दोनों नेताओं के बीच यह बैठक करीब आधे घंटे चली। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला होने के बाद से यह दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

एलओसी पर भारत को उकसा रहा पाकिस्तान : शनिवार को लगातार नौवें दिन, पाकिस्तान की सेना ने जम्मू-कश्मीर में एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर भारतीय चौकियों पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। सैन्य सूत्रों ने बताया कि 2 और 3 मई की रात को पाकिस्तान की सेना ने कुपवाड़ा, उड़ी और अखनूर क्षेत्रों में छोटे हथियारों से फायरिंग की। भारतीय सेना ने तुरंत और उचित जवाब दिया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी श्रीनगर में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने सेना से कहा कि आतंकियों के खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई की जाए।भारत ने अटारी-वाघा सीमा को बंद कर दिया है, पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है, सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है और पाकिस्तानी उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है।

ठाणे में मां समेत तीन बेटियों का मिला शव

एजेंसी/ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में शनिवार को एक महिला और उसकी तीन बेटियों के शव घर में पाए गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और फिर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि उसने मृतक महिला के पास से कथित तौर पर एक सुसाइड नोट बरामद किया, जिसमें उसने मौत के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया है। भिवंडी थाने के एक अधिकारी ने बताया, महिला का पति जब रात की ड्यूटी से लौटकर सुबह घर आया तो उसे अपनी पत्नी और तीन बेटियों के शव घर के पंखे से लटके मिले। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पुनीता लालजी (32 वर्षीय) और उनकी बेटियों अनु (4 वर्षीय), नेहा (7 वर्षीय) और नंदिनी (12 वर्षीय) के रूप में हुई। उन्होंने बताया, महिला का पति एक पावरलूम फैक्ट्री में काम करता है। रविवार को रात की ड्यूटी की करने के बाद शनिवार की सुबह करीब नौ बजे वह घर पहुंचा। लेकिन दरवाजा खटखटाने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने खिड़की से झांककर देखा तो वह अपनी पत्नी और तीन बेटियों को पंखे पर लटका देखकर हैरान रह गया। उसने शोर मचाया, तो पड़ोसी तुरंत वहां पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम को एक नोट मिला है, जो कथित तौर पर महिला ने लिखा था।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, जेपी नड्डा ने की बैठक

एजेंसी/चेन्नई

तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गलियारे में हलतेज हो गई है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज भी कर दी है। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को तमिलनाडु भाजरा के 2026 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्य के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। साथ ही कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ-साथ संगठनात्मक काम को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए। बता दें कि जेपी नड्डा और तमिलनाडु भाजपा नेताओं के साथ यह बैठक चेन्नई में हुई, जिसमें तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, पी सुधाकर रेड्डी, एच राजा, वनाथी श्रीनिवासन, डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन समेत कई बड़े नेता शामिल हुए।

दुर्घटनाओं को देखते हुए परिवहन विभाग एक नई और सख्त पॉइंट सिस्टम योजना लागू करने की तैयारी में

नियमों में होगी सख्तीः हद पार की तो धो बैठोगे ड्राइविंग लाइसेंस से हाथ

एजेंसी/नई दिल्ली

सड़क हादसों की बढ़ती संख्या और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए परिवहन विभाग एक नई और सख्त पॉइंट सिस्टम योजना लागू करने की तैयारी में है।

इस प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ओवरस्पीड, रेड लाइट जंप, सीट बेल्ट न पहनना, और अन्य ट्रैफिक उल्लंघनों पर ड्राइवर्स के ड्राइविंग लाइसेंस पर निगेटिव पॉइंट्स जोड़े जाएंगे। यदि ये पॉइंट्स एक तय सीमा से अधिक हो जाते हैं, तो लाइसेंस को सस्पेंड या रद्द तक किया जा सकता है। यह सिस्टम मौजूदा चालान व्यवस्था से अलग होगा, यानी चालान के साथ-साथ पॉइंट्स भी लागू होंगे। मोटर व्हीकल्स ऐक्ट में संशोधन के बाद यह व्यवस्था अगले कुछ महीनों में लागू हो सकती है। 2019 में मोटर व्हीकल्स ऐक्ट में संशोधन के बाद ट्रैफिक चालान की राशि में भारी बढ़ोतरी की गई थी, जिसका मकसद रैश ड्राइविंग को रोकना और सड़क हादसों को कम करना था। हालांकि, इसका प्रभाव सीमित रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल करीब 1.7 लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं या घायल होते हैं। इस स्थिति को देखते हुए परिवहन विभाग ने ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, और चीन के कुछ शहरों में लागू पॉइंट सिस्टम का अध्ययन किया। ओवरस्पीड, रेड लाइट जंप, सीट बेल्ट न पहनना, मोबाइल फोन का उपयोग, और लापरवाही से ड्राइविंग जैसे उल्लंघनों पर निगेटिव पॉइंट्स जोड़े जाएंगे। नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रोत्साहन के रूप में पॉजिटिव पॉइंट्स दिए जा सकते हैं। अगर डिमेरिट पॉइंट्स एक तय सीमा को पार करते हैं, तो लाइसेंस 1 साल तक सस्पेंड या स्थायी रूप से रद्द हो सकता है। निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज गाड़ी चलाना। उदाहरण के लिए, राजस्थान में तेज रफ्तार पर 1000 रुपये का चालान है, और अब इसके साथ पॉइंट्स भी जुड़ेंगे। सिग्नल तोड़ना, जिसके लिए वर्तमान में 100 रुपये का जुर्माना है। कार चालकों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्य है, और उल्लंघन पर 1000 रुपये का चालान के साथ अब पॉइंट्स भी।

25 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की आशाओं ने दी चेतावनी

◆ 14 सूत्री मांगों को ले आशा फैसिलिटेटर व कार्यकर्ता संघ ने सिविल सर्जन कार्यालय पर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ के आह्वान पर शनिवार को सैकड़ों की संख्या में आशा कार्यकताओं ने सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला संयोजक सह राज्य उपाध्यक्ष अरुण कुमार ओझा, मीरा देवी और डेजी देवी ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारियों ने अपनी 14 सूत्री मांगों को जोरशोर से उठाया।

सभा को संबोधित करते हुए अरुण कुमार ओझा ने कहा कि 20 मई को देश के 10 प्रमुख श्रमिक संगठनों द्वारा घोषित एक दिवसीय हड़ताल में राज्य की सभी आशा कार्यकर्ता शामिल होंगी और अपने-अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर धरना देंगी। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकताओं के सतत प्रयासों से संस्थागत प्रसव, मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी, और टीकाकरण जैसे कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। फिर भी, सरकार पूर्व में किए गए समझौतों को लागू नहीं कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल में आशा कार्यकताओं ने जान जोखिम में डालकर सेवाएं दीं, जिसकी सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन, पटना उच्च न्यायालय, भारत सरकार और मानवाधिकार आयोग ने भी की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 2500 रूपए मानदेय नहीं दिया जा रहा है। जिससे आशा कार्यकताओं के समक्ष परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का जुगाड़, बच्चों की पढ़ाई तथा बीमारों की दवाई का यक्ष प्रश्न खड़ा रहता है। सम्मान जनक मानदेय नहीं मिलने से आशा कार्यकताओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, उन्हें काम राज्य सरकार के कर्मियों के बराबर करना पड़ता है।

वक्ताओं ने कहा कि आशा कार्यकताओं की बदौलत ही स्वास्थ्य विभाग की कई योजनाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। बावजूद सरकार को आशा कार्यकताओं की चिंता नहीं है। जिस कारण उनका जीवन नारकीय हो गया है। सभा में यह चेतावनी भी दी गई कि अगर सरकार ने उनकी मांगों पर विचार नहीं किया, तो 25 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। आशा कार्यकताओं को मजदूर का दर्जा देने और 26 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय देने की मांग भी इस हड़ताल के केंद्र में है।

सभा को किसान नेता परमहंस सिंह, हरेराम सिंह, मंजू देवी, कंचन कुमारी, नीतू देवी, संतोषी देवी, मुरैना देवी, शीला देवी और अनु देवी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। अंत में आशा कार्यकताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति को सौंपा।

चौसा में हुए सड़क दुर्घटना में घायल तीन में से दो युवकों की इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/चौसा

विगत मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल तीन युवकों में से दो की वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी पुष्टि मुफस्सिल पुलिस द्वारा की गई। जहा उन युवकों का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों द्वारा दाह-संस्कार भी कर दिया गया।

बता दें कि विगत मंगलवार की देर शाम चौसा-धनसोई मार्ग पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित चुन्नी नहर व रेलवे क्रासिंग के बीच दो बाइक की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई थी। जिसमे दोनों बाइक पर सवार चार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिसमें तीन युवक की हालत नाजुक होने पर वाराणसी रेफर किया गया। जहां दोनों बाइक के चालक इटाढ़ी निवासी चन्दन गुप्ता व चिलहर गांव निवासी सिंटू सिंह यादव की वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। वही इटाढ़ी निवासी अजीत का इलाज किया जा रहा है। जिसे चिकित्सक खतरे से बाहर बता रहे है। बताया जा रहा सिंटू यादव चौसा में सगे-सम्बन्धी के यहा वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेकर एक मित्र के साथ घर लौट रहा था। जबकि, चन्दन गुप्ता भी किसी वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेने गांव से बाइक पर सवार होकर आ रहा था। जहा बाइक की टक्कर में गम्भीर रूप से घायल हो गए थे।

खबरें फटाफट

अरैला में चोरों ने बड़ी घटना को दिया अंजाम

डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के अरैला गांव में चोरों ने एक घर में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने इस दौरान उक्त घर से करीब एक लाख रुपये के आभूषण के अलावा 10 हजार नगदी भी चुराए है। चोरी की यह वारदात गुड्डू कुमारके घर में हुई है। पीड़ित की मां ने बताया कि यह चोरी उनके में घर तीसरी बार हुई है। पूर्व में भी चोरी की घटना को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया, लेकिन आज तक किसी मामले का उद्भेदन नहीं हो सका है। वहीं, चोरों ने एक बार फिर से चोरी की घटना को अंजाम दे घरवालों समेत पूरे गांव को भयजदा कर दिया है। पीड़ित के अनुसार उसके घर में मुंडन संस्कार की तैयारी चल रही थी और इसी को लेकर साड़ी कपड़े की खरीदारी कर घर में रखे गए थे, जिसे चोरों ने चुरा लिया है। इस घटना को लेकर पीड़ित स्वजनों के द्वारा थाने में आवेदन दिया गया है, आवेदन मिलते ही पुलिस मामले की सूक्ष्मता से जांच में जुट गई है।

निर्माण का शिलापट्ट लगने से पहले टूटने लगी शहर की सड़कें

बक्सर। नगर में बनाई गई सड़कें अपनी योजना पट्ट के लगने से पहले ही दम तोड़ने लगी ह। जिससे नगर परिषद बक्सर के द्वारा कराये गये कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे है। किसी भी सड़क का निर्माण मानकों पर नहीं कराया गया है। जिसके कारण योजना की शिलापट्ट लगने से पहले तथा निर्माण के साथ ही टूटने लगी है। वहीं इसके पूर्व भी बेहतर सड़कों पर मामूली आधा से एक इंच काम कराकर नगर परिषद ने अपना कार्य का इतिश्री मान लिया है। कार्रवाई के नाम पर नगर परिषद से कुछ भी नहीं किया जा रहा है। नगर परिषद के अधिकारी कारवाई के नाम पर टेक्निकल नहीं होने का हवाला दिया जा रहा है। नगर के वार्ड नंबर पांच में कराया गया कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं है। जिसके कारण सड़क टूटने लगी है। सड़क का निर्माण कितनी लंबी व चौड़ी तथा कितनी राशि से कहां से कहां तक कराया गया है।

सरकारी चावल गबन मामले में एक दर्जन से अधिक वीआईपी राडर पर

सीएमआर चावल गबन मामले की सीआईडी ने शुरू की जांच

◆ बक्सर पहुंच सीआईडी की दो डीएसपी ने केस संबंधित फाईलों को खंगाला

◆ जिले के विभिन्न थानों में दर्ज है सीएमआर चावल गबन के कुल 35 मामले

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में करोड़ों रुपये के सीएमआर के चावल गबन मामले की जांच सीआईडी शुरू हो चुकी है। सीआईडी के इस मामले की जांच शुरू होते ही गबन के आरोपित राइस मिलरों तथा संबंधित पदाधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार सीआईडी में बतौर डीएसपी के पद पर तैनात अनिशा राणा व पूजा प्रसाद इस मामले की जांच के तहत शुक्रवार को बक्सर आई थी। इस दौरान दोनों पदाधिकारियों ने चावल गबन से संबंधित केस तथा फाईलो को पूरे दिन खंगाला। इस दौरान गबन के पुख्ता प्रमाण के साथ ही मिलरो व कुछ अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठे है। वहीं, जांच प्रक्रिया शुरू होते ही चावल गबन करने वाले मिलरो में हड़कंप मच गया है। जानकारों का कहना है कि अभी तक मिलर विभाग तथा पुलिस को चकमा देने में सफल रहे थे, लेकिन अब चूकि मामले की जांच सीआईडी की टीम कर रही है, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी होने की जहां आम लोगों में उम्मीद बनी है, वहीं, मिलरो तथा सरकारी चावल के राशि का बंदरबांट करने वाले अधिकारी परेशान हो गए है।

जानकारों का कहना है कि यदि इस इस मामले की पारदर्शी तरीके से जांच की जाए तो करीब तीन दर्जनों मिलरों के अलावे उस समय के एसएफसी के दो प्रबंधकों तथा कुछ अन्य अधिकारियों व कर्मियों पर गाज गिरनी तय है। गौरतलब हो कि इस मामले में एसएफसी के तत्कालीन प्रबंधक रहे व एडीएम आलोक कुमार तथा अरशद फिरोज की भूमिका को संदिग्ध माना गया था। हालांकि, सीआईडी टीम ने इस मामले में कुछ स्पष्ट नहीं बताया, लेकिन इतना जरूर माना कि दोनों अधिकारी संदेह के दायरे में है।

बता दें कि खरीफ वर्ष 2011-12, 12-13, 13-14 व 14-15 में जिले में राइस मिलरों तथा एसएफसी के अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ो रूपए मूल्य के सरकारी चावल का गबन हो गया है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुल 35 राइस मिलरो पर एफआईआर दर्ज कराया गया है, बावजूद कोई परिणाम सामने नहीं निकला। इस मामले की पेचीदगी को देखते हुए राज्य सरकार ने अब सीआईडी से इस मामले की जांच करवा रही है। सीआईडी की माने तो बक्सर में 35 मामलों के साथ ही पूरे राज्य में ऐसे 300 मिलरो पर केस दर्ज कराया गया है।

वहीं, जानकारों का कहना है कि उस दौरान मिलरो ने एसएफसी से धान लिया था, लेकिन उसके मुकाबले एसएसफसी को चावल नहीं लौटाया था। मिलरों का तर्क था कि उनके गोदाम में रखे-रखे चावल सड़ गए है। यहां बता दें कि मिलरो ने जिस चावल को सड़ने का तर्क दिया है, उसकी कीमत करोड़ो रूपए है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि मिलरो ने कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर उक्त चावल की राशि का गबन कर लिया है।

बहरहाल अब मामला सीआईडी के पाले में है, देखना है कि सीआईडी टीम इस मामले में कब तक जांच पूरा कर रही है तथा किन-किन अधिकारियों व मिलरो पर गाज गिर रही है। वैसे जिन अधिकारियों को जिम्मे सीएमआर चावल गबन मामले की जांच सौंपी गई है, विभाग की नजरों में वे काफी ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ पुलिस पदाधिकारी मानी जाती है। ऐसे में उनसे बचना भ्रष्ट अधिकारियों व मिलरो के लिए मुश्किल होगा।

कागज पर चल रहा है प्रतिबंध: धरातल पर धड़ल्ले से पराली जला रहे हैं राजपुर के किसान

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के सभी गांवों में गेहूं की कटनी पूरी होने के बाद खेतों में बचे डंठल को किसान लगातार आग लगाकर जला रहे हैं। इससे न केवल वायुमंडल में जहरीला धुआं फैल रहा है, बल्कि आग की लपटों से सैकड़ों पेड़ भी झुलस चुके हैं। कई पेड़ों के सूख जाने की संभावना है, वहीं इन पेड़ों पर बसे पक्षियों का घर भी उजड़ गया है। ईंटवा-देवढ़िया मुख्य पथ किनारे ऐसे झुलसे पेड़ों को देखा जा सकता है।

साथ ही, कई स्थानों पर चोरी-छिपे पेड़ों की कटाई भी हो रही है। बीते वर्षों में क्षेत्र के आम के बगीचों की भी अंधाधुंध कटाई हुई है, जिससे पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ा है। इस संकट को देखते हुए सरकार ने जल-जीवन-हरियाली योजना की शुरूआत की है। मनरेगा के तहत गांवों में पोखरों की खुदाई और उनके किनारे वृक्षारोपण का कार्य चल रहा है। सरकार निजी और सरकारी जमीन पर पौधरोपण व पोखरा निर्माण के लिए सहायता भी दे रही है। प्रति 200 पौधों की रखवाली हेतु वन सेवक और सिंचाई के साधन मुहैया कराए गए हैं।

सरकार ने किसानों को डंठल न जलाने का निर्देश दिया है क्योंकि इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म होती है। बावजूद इसके, किसान चोरी-छिपे डंठल जला रहे हैं। फिलहाल इन पेड़ों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, जिससे पेड़ आग की चपेट में आ रहे हैं। वन विभाग के कर्मी भी क्षेत्रीय निगरानी में असफल रहे हैं और अब तक कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। मामले में सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने कहा, किसानों से बार-बार अपील की जा रही है कि जलवायु परिवर्तन और खेतों की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए डंठल ना जलाएं। इसके बावजूद कुछ किसान चोरी-छिपे डंठल जला रहे हैं, जो गलत है।

परीक्षा में नकल के आरोप में एक निष्कासित

बक्सर। जिला मुख्यालय में आयोजित हो रहे मैट्रिक व इंटरमीडिएट कंपार्टमेंटल परीक्षा में नकल के आरोप में राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केन्द्र से एक परीक्षार्थी को डीईओ अमरेन्द्र कुमार पांडेय ने निलंबित कर दिया है। परीक्षार्थी के निलंबन के बाद कंपार्टमेंटल परीक्षा केन्द्रों पर हड़कंप मचा रहा।

वहीं, डीएम अंशुल अग्रवाल एवं एसपी शुभम आर्य ने मैट्रिक व इंटरमीडिएट के कंपार्टमेंटल परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा था। डीएम ने प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी को स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने केन्द्राधीक्षकों व वीक्षकों को भी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा जारी किए गए गाइड लाइन का पालन करने की नसीहत दी और कहा कि इसका पालन नहीं करने वाले वीक्षकों पर भी कार्रवाई होगी। बता दें कि मैट्रिक या इंटरमीडिएट परीक्षा में उतीर्ण नहीं होने वाले परीक्षार्थियों के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति इस विशेष कंपार्टमेंटल परीक्षा के जरिए एक मौका मुहैया कराती है, ताकी छात्रों का एक साल बर्बाद न हो। डीएम, एसपी व डीईओ के निरीक्षण से सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों के साथ ही वीक्षकों की परेशानी भी बढ़ी रही।

राजनीतिक बदलाव के मिसाल बने रवि उज्जवल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा जदयू के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने पूर्व घोषित जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा के तहत शनिवार को नावानगर के कई पंचायतो का दौरा किया और सबको बताया की 5 मई से जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा का दुसरा चरण नावानगर के सिकरौल पंचायत से शुरू होगा।

इस दौरान पंचायत के सभी पंचयतों में घुम-घुम समाज के सभी गणमान्य लोगों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया की आगामी 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर लोगो को जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि स्टाम्प पेपर पर लिखित गारन्टी वाले नेता को चुनीये। बिहार के डुमरॉव विधानसभा से एक नई राजनीति की शुरूआत होनी चाहिए, इसकी गुंज बक्सर जिला ही नही पुरे देश प्रदेश मे जानी चाहिए। उन्होंने कहा की चुनाव में नेता आपसे आपकी कीमती वोट मांगने के लिये आएंगे, बहुत से वादा करेंगे आप उसी वादा को स्टाम्प पेपर लिख कर एग्रीमेंट करने के लिये कहियेगा तभी आपको सत्यता की पता चलेगी। मेरे द्वारा जनता एग्रीमेंट पद यात्रा उसी के लिये शुरू किया गया है। जहां मैं जाता हूं, लोगों से जो वादा करता हूं बजाप्ते उसका एग्रीमेंट कर देता हूं। ग्रामीणों के साथ बैठक के दौरान बीरेन्द्र कुशवाहा गुरूदेव सिंह, राजन कुशवाहा, पप्पू मोर्या, गोपाल सिंह, मिन्टू हाशमी, जगजीवन राम, ज्योति प्रकाश विजय बहादुर सिंह, इत्यादि नेतागण उपस्थित थे।

डीएम एसपी ने किया गृहरक्षकों की शारीरिक जांच स्थल का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

होमगार्ड की शारीरिक दक्षता परीक्षा का जिले में कराएं व्यापक प्रचार प्रसार: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

गृहरक्षकों के चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा से संबंधित स्थल का जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। बता दें कि गृहरक्षकों की शारीरिक दक्षता परीक्षा पुलिस केंद्र बक्सर में आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों का प्रवेश सुबह चार बजे से कराया जायेगा।

इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी बक्सर को निर्देश दिया कि शारीरिक दक्षता की तिथि एवं समय का विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार पूर्व में ही कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकी भाग लेने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को इसकी जानकारी मिल सकें तथा अभ्यर्थी निर्धारित समय पर उक्त स्थल पर पहुंच सकें। जिलाधिकारी ने अत्यधिक गर्मी को देखते हुए सिविल सर्जन शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती को निर्देश दिया कि पुलिस केन्द्र परिसर में ही दो-तीन बेड वाले वातानुकूलित हीट वेव डेडिकेटिड कमरा तैयार हालत में रखेंगे। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं के साथ चिकित्सक एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करेंगे। ताकी शारीरिक दक्षत परीक्षा खासकर दौड़ के दौरान यदि कोई अभ्यर्थी चोटिल हो जाता है या फिर वह हिट वेव का शिकार हो जाए, तो उसे तुरंत इलाज मिल सकें।

डीएम ने गृह रक्षा वाहिनी के जिला समादेष्टा को निर्देशित किया कि अंचल अधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षार्थियों एवं उनके साथ आने वाले परिजनों के वाहनों की पार्किंग के लिए उचित स्थल चयन करेंगे।

वहीं, जिलाधिकारी द्वारा जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी बक्सर को शारीरिक परीक्षा को लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो।

आस्था का संगम: बाल रूप में प्रकट हुए शिव-पार्वती, लीलाओं ने मोहा मन

♦ शत चंडी महायज्ञ एवं मां काली प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन भावविभोर हुए श्रद्धालु

केटी न्यूज/केसठ

केसठ की पावन धरती पर आयोजित मां काली के प्रांगण में शत चंडी महायज्ञ एवं मां काली प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उस समय अलौकिक माहौल बन गया जब भागवत कथा के चौथे दिन मां पार्वती और भगवान शिव बाल रूप में मंच पर प्रकट हुए। यह दिव्य दृश्य देख हर कोई श्रद्धा और भक्ति में डूब गया। दीदी राधिका के मधुर प्रवचनों के बीच गांव की एक नन्ही बालिका ने पार्वती और एक छोटे बालक ने भगवान शिव का जीवंत रूप धारण किया। जैसे ही दोनों मंच पर पहुंचे, सभा में उपस्थित हजारों श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे।

बालरूप में सजे पार्वती और शिव इतने आकर्षक एवं दिव्य प्रतीत हो रहे थे कि उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनकी पूजा अर्चना करने लगे।बालरूप में देवी-देवता के दर्शन कर लोग फूलों की वर्षा करने लगे, आरती उतारी और श्रद्धालुओं ने बाल रूपी देवी-देवता को देखकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की कामना की और आंखों में श्रद्धा एवं आस्था के अश्रु छलक पड़े। गांव का यह अलौकिक दृश्य धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक समर्पण का अद्वितीय उदाहरण बन गया था। इस आयोजन ने केसठ को एक बार फिर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया, जहां देवत्व और भक्ति का मिलन हुआ।

कथा सुनने को उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

प्रखंड के स्थानीय गांव में आयोजित 11 दिवसीय अनुष्ठान के चौथे दिन शतचंडी महायज्ञ में भागवत कथा के दौरान वृंदावन की कथावाचिका दीदी राधिका ने कथा के दौरान कर्ण और पांडवों की कहानी के बारे में बताया। जिसमें कैसे वे एक दूसरे के साथ थे और कैसे अलग हुए उस पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कर्ण, जो अपने पिता का पुत्र था, पांडवों के साथ शत्रुता में था और उसने कुंती से अपने पुत्रों को बचाने की बात कही थी। कथा के दौरान, यह भी बताया गया था कि कैसे कर्ण ने कुंती से अपने पुत्रों को बचाने की बात कही थी और कैसे पांडवों ने कर्ण के प्रति अपना बदला लिया था। यह कहानी भगवान कृष्ण के अवतार के रूप में बताई गई। साथ ही कैसे कर्ण ने युधिष्ठिर को स्वर्ग में सम्मान दिया था और कैसे पांडवों ने कर्ण के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार किया था। भगवत कथा से पूरा क्षेत्र भक्ति से सराबोर हो गया है। वही वृंदावन से आए रासलीला मंडली भगवान कृष्ण के बचपन के लीलाओं की झाखियां प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। यज्ञ समिति सदस्यों ने बताया कि 9 मई को भंडारे के साथ यज्ञ का समापन होगा। मौके पर राजू दुबे, मुकुंद, विकाश, विकाश चौधरी, पंकज, मोहित दुबे, बिनोद मास्टर व अन्य ने सराहनीय भूमिका निभाई।

एक नजर

अनियमितता पर आक्रोश: महरौरा गांव में नाली निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों ने किया हंगामा

डुमरांव। नगर एवं विस्तारित क्षेत्रों में रोड, नाली, गली बनाने का जाल बिछाया जा रहा है। नगरवासियों द्वारा प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाने और सही काम नहीं होने का आरोप लगाए जा रहे हैं। वहीं काम लगाने के बाद उसे पूरा नहीं कर वहीं छोड़ दिये जाने की शिकायत की जा रही है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। उसी तरह का कार्य नप के विस्तारित क्षेत्र वार्ड 16 के महरौरा में किया जा रहा है। वार्ड में नाली निर्माण के लिये गड्ढे की खुदाई कर उसे महीनों से यू हीं छोड़ दिया गया है, जिससे हर आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को झेलनी पड़ रही है। हंगामा कर रहे सरस्वती देवी, कौशल्या देवी, भागमनी देवी, कलिंदा देवी, कबुतरी देवी, गुड्डू राय, रवि कुमार, उमा शंकर, दिनेश कुमार, जवाहीर राम, बाबूलाल राम, पवन कुमार, जगदीश राय, शिवशंकर सहित अन्य का कहना है कि एक महीना से संवेदक के द्वारा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। कहीं पर दोनों तरफ ईंट को सोलिंग कर बीच में छोड़ देने लोगों को रोड से गलियों में जाने से परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं गड्ढे की खुदाई होने से व्यवसायी अपना दुकान भी नहीं खोल पा रहे हैं। कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग गिरकर घायल होकर अस्पताल पहुंच गए हैं। इनका यह भी कहना है कि वार्ड पार्षद से इसको बनाने के लिये कईबार कहा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है। वहीं, नाली के लिये गड्ढे की खुदाई के कारण पानी के पाइप भी काट कर हटा दिए गए हैं। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ा हुआ है।

हत्यारोपी के पिता ने एसडीपीओ से लगाई न्याय की गुहार, एसडीपीओ ने दिया आश्वासन

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र के निषाद टोला निवासी जितेन्द्र चौधरी की संदेहास्पद स्थिति में मौत के बाद जहां स्वजनों ने इस मामले में पड़ोसी गांव के युवक पर हत्या का मामला दर्ज करा दिया है, वहीं, इस मामले में आरोपित बनाए गए युवक के पिता ने डुमरांव एसडीपीओ को आवेदन दे बताया है कि उक्त युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। जबकि पुरानी अदावत में मेरे बेटे पर हत्या का मामला दर्ज करा दिया गया है। आरोपित के पिता ने जहां एसडीपीओ से न्याय की गुहार लगाई, वहीं एसडीपीओ ने भी इस मामले की पारदर्शी तरीके से जांच कर न्याय करने का भरोसा दिलाया। बता दें कि दस दिन पूर्व नावाडेरा स्थित निषाद टोला के रहने वाले जितेंद्र चौधरी की आरा बक्सर फोरलेन के समीप संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस भी इस मामले को संदेहास्पद मान रही थी। नया भोजपुर पुलिस ने भी माना है कि प्रथम दृष्टया यह हत्या नहीं बल्कि दुर्घटना का मामला प्रतीत हो रहा है। इस मामले में परिजनों ने गोपालडेरा के सुनील यादव पिता वंशनरायण यादव पर मृतक की हत्या करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मृतक के परिजनों का कहना था कि जितेंद्र की हत्या नामजद ने पूर्व के आपसी विवाद में पीट पीटकर की हैं। वहीं शनिवार की दोपहर एसडीपीओ को दिए गए आवेदन में नामजद अभियुक्त के पिता वंशनारायण यादव ने बताया कि उनके पुत्र सुनील को मात्र परेशान करने की नीयत से झूठे मुकदमे में फंसा दिया गया है। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि इस मामले में जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

11 मई को आयोजित होगी परिचारी परीक्षा, मुख्य सचिव ने डीएम व एसपी को निर्देश-

हरहाल में कदाचार मुक्त एवं पारदर्शी तरीके से संपंन हो परिचारी परीक्षा-2025

केटी न्यूज/बक्सर

♦ सभी पदाधिकारियों को जरूरी गाइड लाइन से कराना है अवगत तथा केन्द्रों पर बरती जाएगी पूरी तरह से सख्ती

राज्य विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित विज्ञापन संख्या 02/2022 के तहत कार्यालय परिचारी की परीक्षा के सफल आयोजन के संबंध में राज्य सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की गई। जिसमें डीएम अंशुल अग्रवाल एवं एसपी शुभम आर्य ने भाग लिया।

इस संबंध बताया गया कि विज्ञापन संख्या 02/2022 अंतर्गत कार्यालय परिचारी पद के लिए प्रारंभिक परीक्षा दिनांक 11 मई को एकल पाली दोपहर 12 बजे से दो बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं सफलतापूर्वक संचालित कराने के लिए मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी व एसपी को आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि हर हाल में यह परीक्षा कदाचारमुक्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी यदि कदाचार की शिकायत करेंगे तो इसकी जांच कराई जाएगी तथा जांचोपरांत दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

वीसी में बताया गया कि परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी, केन्द्र प्रेक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति के साथ-साथ परीक्षा केंद्र को टैग कर पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट-सह-गश्ती दल दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता दल दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति किया जाना हैं। सभी पदाधिकारियों को जरूरी गाइड लाइन की जानकारी दी जानी है तथा केन्द्रों पर सख्ती बरतना है, ताकी कोई अभ्यर्थी नकल न कर सकें।

परीक्षा केन्द्रों पर इम्परसोनेशन एवं किसी प्रकार का कदाचार नहीं होने पाये। इसके लिए गहन फ्रिस्किंग कराने का भी निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि 11 मई को होने वाली परिचारी की परीक्षा कदाचारमुक्त व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। जिला प्रशासन के लिए सजग है। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि को यह परीक्षा कदाचारमुक्त संपन्न होगी तथा अभ्यर्थियों को परीक्षा के गाइड लाइन का पूर्णतः पालन कराया जाएगा।

नीट परीक्षा को ले पुलिस सतर्क

बक्सर। रविवार को जिले में नीट की परीक्षा जिले के चयिनत केंद्रों में आयोजित होगी। इस क्रम में राज्य आर्थिक अपराध इकाई की साइबर एवं आर्थिक अपराधों के रोकथाम तथा साईबर संबंधित मामलों के अनुश्रवण और साइबर जागरूकता को लेकर बक्सर पुलिस पूरी तरह से सख्त है।

इस संबंध में पुलिस अधिकारियों के अनुसार साइबर अपराधियों द्वारा नीट की परीक्षा के संबंध में अफवाह /भम्र फैलाने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। उनके द्वारा फर्जी फोन कॉल अथवा विभिन्न सोशल मीडिया यथा फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलिग्राम, व्हाटसअप, एक्स एवं अन्य डिजिटल माध्यमों का दुरूपयोग कर अभ्यर्थियों व आम जनमानस के बीच परीक्षा से संबंधित गलत अफवाह फैलाया जा सकता है, जिससे परीक्षा के सफल संचालन की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है।

वहीं, यह भी ध्यान देने योग्य बातें हैं कि साइबर अपराधी परीक्षा के प्रश्न पत्र व उत्तर पत्र उपलब्ध कराने के नाम पर लोगों से पैसे की ठगी करने के फिराक में है, जिसके संबंध में भी सतर्कता जरूरी है।

इसके तहत आगामी नीट परीक्षा से संबंधित साइबर सुरक्षा के मामलों पर सावधानी को ध्यान में रखते हुये एडवाईजरी जारी की गई है। जिसके तहत नीट परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र व उत्तर पत्र उपलब्ध कराने जैसे किसी भी परीक्षार्थी को फर्जी कॉल अथवा सोशल मीडिया/ई-मेल पर ऐसे मैसेज आयें और पैसे की मांग करे सतर्क हो जायें और इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना व साइबर थाना में दें। यदि इस परीक्षा से संबंधित अफवाहजनक मैसेज प्राप्त हो तो कृप्या इसे किसी दूसरे लोगों को ग्रुप में फारवर्ड न करें।

पुलिस से बचने के लिए ट्रक चालक ने जान बूझकर पलटा ट्रक

डुमरांव। डुमरांव में शनिवार को पुलिस से बचने के लिए अपनी ट्रक जानबूझकर सड़क किनारे चाट में पलट दी। इसके लिए ट्रक छोड़ वह खुद कूद केबिन से कूद गया। घटना में केबिन में बैठा डुमरांव थाने का एक होमगॉर्ड जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे ट्रक के केबिन के सामने लगे शीशे को तोड़ जवानों ने बाहर निकाला, वहीं ट्रक चालक को भी पकड़ लिया। मामले में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने पकड़ कर डुमरांव पुलिस को सौंपा था। इस क्रम में डुमरांव थाने के होमगॉर्ड जवान धनंजय कुमार को चालक के साथ बैठा पुलिस टीम उसे लेकर थाने आ रही थी, लेकिन चालक जैसे ही टेढ़की पुल से आगे बढ़ा कि वह जानबूझकर ट्रक को सड़क के बजाय चाट की तरफ मोड़ दिया तथा खुद केबिन से नीचे कूद गया। इससे ट्रक चाट में पलट गई तथा उसमें बैठा होमगॉर्ड जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हालांकि, पीछे से आ रही गश्ती टीम ने तत्काल केबिन का शीशा तोड़ उसमें फंसे होमगॉर्ड जवान को बाहर निकाला व भाग रहे ट्रक चालक को दौड़ाकर पकड़ लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान भोजपुर जिले के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी विवेक कुमार के रूप में हुई है।

महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है सबसे प्रमुख: डीएम

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के बाबुगंज इंग्लिश में शनिवार को महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डीएम अंशुल अग्रवाल ने किया। इसके बाद जीविका दीदियों के सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

इधर डीएम ने कहा कि महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में प्रमुख है। सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रियान्वित योजनाओं कार्यों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत संवाद किए जाने एवं राज्य सरकार के स्तर पर योजनाओं के सूत्र एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग निखार हो सके। जिलाधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि जन-जन तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है। अभी तक 08 प्रखंडो के 248 ग्राम संगठनो में कुल 49,637 लोगो के साथ महिला संवाद कार्यक्रम संचालित कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओ के बारे में जानकारी दिया जा रहा है। साथ ही इनका अनुभव साझा करते हुए इनकी अपेक्षाए से भी अवगत कराया। वही महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों ने भी अपना अनुभव साझा किया। जिसमें शिक्षा से, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना से, प्रधानमंत्री आवास योजना से प्राप्त लाभ समेत अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाली लाभार्थी शामिल थी। इसके पश्चात कई जीविका दीदी ने बताया कि कैसे जीविका के माध्यम से उनके जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव आया है। मौके पर प्रखंड, अनुमंडल व जिला स्तर के कई अधिकारी मौजूद थे।

क्रियान्वयन समिति नये अध्यक्ष के साथ सदस्यों ने की बैठक

डुमरांव। शहर के नव गठित कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी ने एक दूसरे को बधाई देते हुए उनसे प्रखंड के विकास के कार्यों को सुचारू रूप से करने पर भरोसा जताया। कार्यक्रम की अध्क्षता डॉ. एसके सैनी व संचालन वरिष्ठ जदयू नेता नथुनी खरवार ने किया। मौके पर जदयू के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कहा की सरकार आपसे विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचाने की अपेक्षा करती है। मौके पर जदयू के प्रदेश महासचिव बिनोद राय, अशोक कुमार सिंह ने सभी को शुभ कामनाएं देते हुए प्रखंड के विकास में उनसे अपेक्षा की। जदयू के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष लोदी चंद्र, नगर अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष चौंगाई कृष्णा सिंह, संतोष चौधरी, नंदजी प्रसाद, राजेश कुशवाहा, भाजपा नेता दयाशंकर तिवारी, अक्षयवर शर्मा सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

पत्रकारों ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय प्रेस दिवस, बोले डॉ. शशांक शेखर...

स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़

♦ पत्रकारिता क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर किया गया मंथन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वतंत्र व निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की रीढ़ है। डिजीटल मीडिया के इस वर्तमान युग में पत्रकारिता संक्रमण काल से गुजर रही है। एक तरफ जहां सूचनाओं के आदान प्रदान में तेजी आई है तो दूसरी तरफ फर्जी खबरे, सूचनाओं की प्रमाणिकता की कमी और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे लगातार सामने आ रहे हैं। उक्त बातें श्रीमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर ने कही। मौका था शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर डुमरांव के अतिथि गृह में आयोजित पत्रकार सम्मेलन सह परिचर्चा का।

इस दौरान वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों के विषय पर पत्रकारों ने अपने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता डॉ. शशांक शेखर ने जबकि संचालन वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार पांडेय ने किया।

इस मौके पर जिले भर से आए विभिन्न बैनरों के पत्रकारों ने भाग लिया और पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही समसामयिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। अपने संबोधन में डॉ. शेखर ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है, लेकिन वर्तमान परिवेश में पत्रकारों पर बढ़ते दबाव, आर्थिक असुरक्षा और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दे गंभीर चिंता का विषय हैं। बैठक में उपस्थित अन्य पत्रकारों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा किए। बैठक में वरीय सदस्य के रूप में मौजूद अजय सिंह ने कहा कि छोटी जगहों पर कार्यरत पत्रकारों को बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा का अभाव झेलना पड़ता है। कई बार सच्चाई को उजागर करने के प्रयास में पत्रकारों को धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी कार्य-स्वतंत्रता प्रभावित होती है।

इस दौरान अरुण विक्रांत, अशोक कुमार, अरूण कुमार सिंह, त्रिलोकी नाथ पांडेय, जयमंगल पांडेय, रजनी कांत दूबे, सुजीत ओझा, अमित ओझा, आलोक कुमार सिन्हा, अमरनाथ केशरी, मनोज मिश्रा, सर्वेश पांडेय, राजू कुमार, रोहित कुमार, पीके बादल, विजय कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहें।

निंदनीय: बाइक नहीं मिलने से नाराज पति ने दिया वारदात को अंजाम

पत्नी की गला दबा हत्या कर परिजनों के साथ पति फरार

♦ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के तियर थाना क्षेत्र के अंगरुआ गांव में शुक्रवार की देरशाम पति ने पत्नी को मार डाला। वारदात में परिजनों ने बाइक की मांग को लेकर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतका की पहचान जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के चासी गांव निवासी राजकुमार सिंह की 25 वर्षीया बेटी सुलेखा कुमारी के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में नारायणपुर थाना क्षेत्र के चाचा गांव वार्ड नंबर-9 निवासी व मृतका के चाचा जोगिंद्र सिंह ने बताया कि उसके पिता राज कुमार सिंह ने आठ साल पहले तीयर थाना क्षेत्र के अंगरुआ गांव निवासी विकास यादव से शादी की थी। लेकिन तीन वर्ष पूर्व सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद दोनों परिवार के रजामंदी से सुलेखा की शादी उसके देवर मुकेश यादव से कर दी गई थी। इसी शादी के बाद वह बराबर बाइक की मांग करता था। साथ ही, उसके साथ मारपीट भी करता था।

मुकेश ने फोन कर दी मृतका के परिजनों की सूचना : इसी बीच शुक्रवार की शाम उसके पति मुकेश यादव ने फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि उनकी बेटी सुलेखा की मौत हो गई है। आप आइए और जो करना है कर लीजिए। उसके बाद उसका पति उसके सात माह के बेटे आयुष को लेकर अपने परिवार वालों के साथ फरार हो गया। सूचना पाकर परिजन जब वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में आंगन में पड़ी है और उसका दोनों हाथ मुड़ा हुआ है। उसके शव के अगल-बगल डंडा पड़ा था और उसका बाल भी बिखरा हुआ था व उसके ससुराल के सभी लोग फरार थे। इसके बाद परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है।

पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है : वहीं दूसरी तरफ मृतका के चाचा जोगिंद्र सिंह ने उसके पति मुकेश यादव पर बाइक की मांग को लेकर गला दबाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतका अपने चार बहन में दूसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां लगनी देवी एवं एक सात माह का पुत्र आयुष है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतका की मां लगनी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रक के चपेट में आने से खलासी की मौत

आरा। जिले के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मेहंदौरा गांव स्थित बालू घाट पर अज्ञात ट्रक ने चालक व खलासी को रौंद डाला। हादसे में सिवान जिले के खलासी की मौत हो गई, वहीं चालक की स्थिति काफी नाजुक है। घटना के बाद दोनों को सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी चालक को पटना रेफर कर दिया गया है। मृत खलासी सिवान जिले के बहरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बालापुर गांव निवासी सरफुद्दीन शाह के 20 वर्षीय पुत्र एहसान अली है। जबकि जख्मी ड्राइवर बीवी के बंगरा गांव निवासी साहेब हुसैन के 24 वर्षीय पुत्र शहादत हुसैन है। साथी ही ड्राइवर इरफान अली ने बताया कि वह पिछले चार महीनों से ट्रक पर खलासी का काम करता था। एहसान सिवान से गुरुवार को महेंदौरा गांव स्थित बालू घाट पर ट्रक पर बालू लोड करने आया था। लेकिन ट्रकों की लंबी लाइन के कारण शुक्रवार की रात खाना खाकर दोनों बालू घाट के किनारे बिस्तर लगाकर सोए थे। इसी बीच बालू लेकर आ रहे अज्ञात ट्रक ड्राइवर बैक करने के दौरान दोनों पर चढ़ गया।

मृत मतदाताओं की भौतिक जांच कर नामों का विलोपन नियमानुसार करें बीएलओ: डीएम

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर समाहरणालय के सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निर्वाचक सूची के सतत अद्यतन व आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान निर्वाचन से संबंधित विभिन्न विषयों पर सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं बीडीओ के स्तर पर की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा भी की गई।

डीएम ने निर्देश कि निर्वाचक सूची के सतत अद्यतन अवधि में सभी अहर्ता प्राप्त नागरिकों का निर्वाचक सूची में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से महिला लिंगानुपात में अपेक्षित सुधार के लिए पात्र महिलाओं का पंजीकरण प्राथमिकता के साथ किया जाए। विदित हो कि अंतिम प्रकाशन के बाद चल रहे विशेष अभियान के तहत अब तक 40,441 महिलाओं का पंजीकरण किया गया है। जिससे जिले का लिंगानुपात 907 हो गया है, जो जिले के जनसंख्या लिंगानुपात के अनुरूप है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि निर्वाचक सूची में दर्ज दोहरी प्रविष्टियों, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं मृत मतदाताओं की बीएलओ के माध्यम से भौतिक जांच कर नियमानुसार नामों का विलोपन किया जाए। बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत बीएलओ द्वारा लॉगिन सुनिश्चित की जाए। बीएलओ व उनके पर्यवेक्षकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएं। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक सुनिश्चित करें।

लभुआनी महोत्सव में शामिल हुए राज्यपाल

आरा। जिले के गड़हनी प्रखंड स्थित लभुआनी गांव में चल रहे लभुआनी महोत्सव में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान स्वयं हिस्सा लेने पहुंचे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह और झड़ियां विधायक रागिनी सिंह भी उपस्थित रहीं। हजारों ग्रामीणों की उपस्थिति में यह महोत्सव धार्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर रहा। राज्यपाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए भगवान श्रीराम को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि वो दिल्ली जाने वाला था, लेकिन अब महसूस कर रहा हूं कि अगर मैं यहां नहीं आता तो इतने सुंदर आयोजन से वंचित रह जाता। उन्होंने सत्संग और आध्यात्मिक मिलन का सुंदर अवसर बताया। साथ ही, ग्रामीणों को साधुवाद दिया।

भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद, एक धराया

आरा। मद्यनिषेध विभाग जिले में अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चला रहा है। इस क्रम में सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश की ओर से एक ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब भोजपुर की ओर जा रहा है। सहायक आयुक्त मद्यनिषेध ने निरीक्षक राहुल कुमार दुबे के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। एनएच-922 पर रतनपुर ओवर ब्रिज के पास ट्रक की जांच करने पर ट्रक ड्राइवर केबिन में बने गुप्त तहखाने से अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। वहीं, बिहिया थाना अंतर्गत तेघरा मोड के पास एक ट्रक के डाले में से 302.400 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया। मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार भी किया गया।

अपराध राज कायम करना चाहती है भाजपा: दीपंकर

केटी न्यूज/आरा

अगिआंव प्रखंड के लहरपा गांव में तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हमले में कई लोग घायल भी हुए थे। घटना के खिलाफ रविवार को भाकपा-माले ने विशाल प्रतिरोध सभा का आयोजन किया।

इस दौरान सभा में भाकपा के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, सांसद सुदामा प्रसाद, केंद्रीय कमिटी सदस्य मनोज मंजिल, केन्द्रीय कमिटी सदस्य राजू यादव, स्थानीय विधायक शिवप्रकाश रंजन विधायक, पूर्व विधायक विजेंद्र यादव, पूर्व विधायक अरुण यादव, राजद नेता आदिब रिजीवी, प्रखंड प्रमुख मुकेश यादव व युवा नेता शैलेन्द्र राम शामिल थे।

सभा के पूर्व महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य सहित कई नेता लहरपा गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मिले। परिवार से मिल दीपंकर भट्टाचार्य ने घटना का कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि इस दुख के घड़ी में पूरी पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रहेगी।

अगिआंव में प्रतिरोध सभा के पहले पहलगाम आतंकी हमले के शिकार 26 पर्यटकों एवं लहरपा में सामंती अपराधियों द्वारा मारे गये तीन नौजवानों को श्रद्धांजलि के साथ शुरू हुई। सभा की अध्यक्षता प्रखंड सचिव रघुवर पासवान और संचालन उपेन्द्र भारती ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि भोजपुर के लिए आक्रोश व चिंता की बात है। जनसंहार की लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया। न्याय के साथ विकास के राज्य में 20 अप्रैल की घटना और आज 3 मई हो गया। अभी तक पीड़ितों को न्याय नही मिला। चौदह दिन बाद भी अपराधी खुले घूम रहे हैं। भाजपा के लोग अपराधियों का मनोबल बढ़ा रहें हैं। अपराध कब बढ़ता है जब अपराधी यह जानते हैं कि हमे कुछ नही होगा सरकार से संरक्षण प्राप्त होगा।

राजद कार्यालय में हुई कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक, बोले जिलाध्यक्ष...

सातों विधानसभा क्षेत्र में 5 से 11 मई तक सामाजिक न्याय परिचर्चा का होगा आयोजन

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय जनता दल, बिहार प्रदेश द्वारा राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पांच से 11 मई तक "सामाजिक न्याय परिचर्चा" का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में भोजपुर जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष वीरबल यादव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान जिला कार्यकारिणी, राजद के विभिन्न प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्षगण एवं मेन विंग के प्रखंड अध्यक्षगण सम्मिलित हुए। बैठक का संचालन जिला प्रवक्ता आलोक रंजन ने किया।

कार्यकताओं को विचारधारा से लैश किया जाएगा : बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल हमेशा से सामाजिक न्याय और समानता की पक्षधर रही है। पार्टी का मूल उद्देश्य वंचित, शोषित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्ग की आवाज को बुलंद करना है। इस सामाजिक न्याय परिचर्चा के माध्यम से विधानसभा वार सभी कार्यकताओं को पार्टी की विचारधारा से लैश किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह परिचर्चा न केवल संगठन को मजबूत करेगी, बल्कि राजद की विचारधारा को आम लोगों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। सभी प्रखंडों एवं विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि 5 मई को संदेश, 6 मई को बड़हरा, 7 मई को आरा, 8 मई को अगिआंव, 9 मई को तरारी, 10 मई को जगदीशपुर और 11 मई को शाहपुर में यह कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के तौर पर मनेर के विधायक सह लोक लेखा समिति के सभापति श्री भाई वीरेंद्र, मखदुमपुर विधायक श्री सतीश दास, अनिल कुमार महतो, फूल हसन अंसारी, निवास रजक शामिल होंगे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बिहार

बक्सर, 04 मई 2025

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

पटना में रविवार को महागठबंधन की तीसरी और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जाएगी

नीतीश का विजय रथ रोकने के लिए तेजस्वी पांच महारथी संग बनाएंगे प्लान

- चुनावी तैयारियों को सुचारू रूप देने के लिए 21 सदस्यीय को-ऑर्डिनेशन कमेटी का किया गया गठन
- समिति चुनावी रणनीति तैयार करने, सीट बंटवारे और अभियान संचालन की रूपरेखा होगी तय

केटी न्यूज/पटना

पटना में महागठबंधन की तीसरी महत्वपूर्ण बैठक रविवार को होगी। यह बैठक दीघा रिसॉर्ट में होगी। राजद, कांग्रेस, वीआईपी और लेफ्ट पार्टियों के नेता शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। तेजस्वी यादव को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष हैं। पिछली बैठकों में भी चुनाव की रणनीति पर बात हुई थी।पटनाः बिहार में इस साल अक्टूबर-नवबंर में विधानसभा चुनाव होना है।

इस चुनाव में नीतीश कुमार एनडीए के साथ मिलकर एक बार फिर 'विजय रथ' पर सवार होना चाहत हैं। वहीं विपक्षी दलों का महागठबंधन तेजस्वी के नेतृत्व में नीतीश कुमार के विजय रथ को रोकने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए पटना में राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पांच महारथी यानी पांच दल- कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और वाम दलों (सीपीएम, सीपीआई, सीपीआई-एम) मिलकर रणनीति बनाएंगे।पटना में 4 मई को महागठबंधन की बड़ी बैठक है। दरअसल पटना में रविवार को महागठबंधन की तीसरी और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, रणनीति और तालमेल पर विस्तृत चर्चा होगी। दीघा-आशियाना रोड स्थित दीघा रिसॉर्ट में होने वाली इस बैठक में इंडियन अलायंस यानी महागठबंधन के सभी घटक दलों के शीर्ष नेता शामिल होंगे।सभी घटक दलों की व्यापक भागीदारीबैठक में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और वाम दलों (सीपीएम, सीपीआई, सीपीआई-एम) के नेता भाग लेंगे। इसके अलावा, जिला अध्यक्ष, सचिव, प्रधान सचिव, विधायक, सांसद और एमएलसी स्तर के नेता भी बैठक में मौजूद रहेंगे।चुनावी रणनीति और कार्यकताओं को जिम्मेदारियां है। इस बैठक में महागठबंधन के नेताओं द्वारा विधानसभा चुनाव के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। तेजस्वी यादव, जो को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष हैं, कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और वामपंथी दलों के प्रतिनिधि इस चर्चा का नेतृत्व करेंगे। जिलेवार कार्यों का विभाजन किया जाएगा और सभी पार्टियों के कार्यकताओं को विशेष जिम्मेदारियां दी जाएंगीमहागठबंधन की पहली बैठक 17 अप्रैल को राजद कार्यालय में हुई थी, जिसमें तेजस्वी यादव को आधिकारिक रूप से को-ऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुना गया था। इस बैठक में कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने तेजस्वी को गठबंधन का नेतृत्वकर्ता बताया था, हालांकि मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर स्पष्ट घोषणा नहीं की गई थी।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी दो दिन के बिहार दौरे पर

पटना। असदुद्दीन ओवैसी की नजर बिहार के सीमांचल, मिथिलांचल और चंपारण की कुछ सीटों पर है। खबर है कि एआईएमआईएम बिहार में 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। ओवैसी अपने बदले वाली रणनीति लेकर दो दिन के बिहार दौरे पर हैं। इससे महागठबंधन में टेंशन बढ़ गई है। असदुद्दीन ओवैसी का यह दौरा न सिर्फ राजनीतिक वापसी की तैयारी है, बल्कि पुराने घावों का बदला लेने की भी मंशा दिखाता है। 2020 में 5 सीटें जीतने के बाद एआईएमआईएम को झटका तब लगा, जब उसके 4 विधायक आरजेडी में शामिल हो गए। ओवैसी ने साफ शब्दों में कहा है कि इस बार सीमांचल की जनता उन लोगों को सबक सिखाएगी। जिन्होंने उनकी पार्टी को तोड़ा था। 3 मई को किशनगंज से शुरू हुए दौरे में ओवैसी ने बहादुरगंज में रैली की, फिर दरभंगा में कार्यकताओं से मिले, मोतिहारी में रैली की और गोपालगंज में नेताओं के साथ रणनीति बनाई। यह दौरा दर्शाता है कि एआईएमआईएम हर उस इलाके को टटोल रही है।

सीबीआई ने दरभंगा से एयरफोर्स के इंजीनियर को घूस लेते पकड़ा

केटी न्यूज/दरभंगा

मजदूर के वेश में सीबीआई की टीम ने दरभंगा एयरफोर्स के इंजीनियर को 50 हजार घूस लेते रंगेहाथ दबोचा लिया है। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात सेना के सहायक इंजीनियर कौशलेश कुमार को अरेस्ट किया गया है। कौशलेश को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया। दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन परिसर में बनी सड़क के बिल का भुगतान और किये गये कार्य की नपाई के एवज में कौशलेश रिश्वत ले रहे थे। पीड़ित की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची सीबीआई की टीम ने कारवाई के दौरान मजदूर के वेश में परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान सीबीआई के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। जब टीम ने 50 हजार रुपए कैश घूस लेते रंगे हाथ सहायक इंजीनियर कौशलेश कुमार को दबोचा तब वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गये। जब उन्हें पता चला कि ये कोई मजदूर नहीं बल्कि सीबीआई ऑफिसर्स हैं। फिलहाल आरोपी कौशलेश को सीबीआई की टीम ने अपने कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई शुरू की। उन्हें पूछताछ के लिए मुख्यालय लाया गया है।

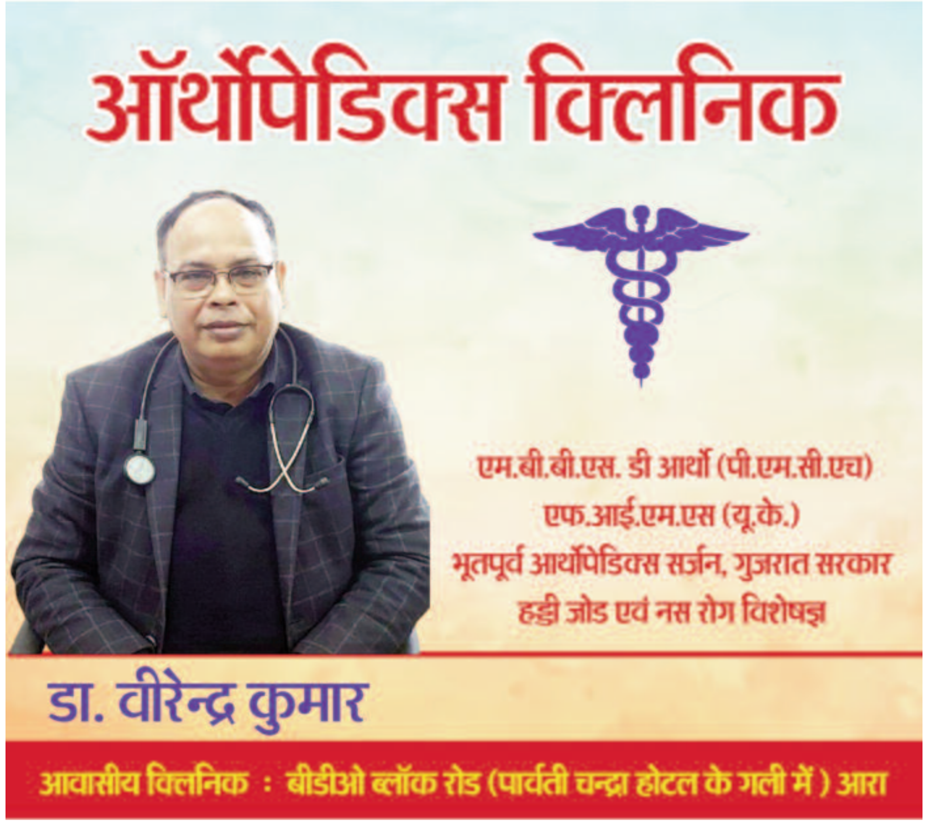

अनंत सिंह को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में किया रिहा

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान अनंत सिंह सहित 80-100 समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था, लेकिन आरोप पत्र सिर्फ अनंत कुमार सिंह के खिलाफ कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। लेकिन साक्ष्य के अभाव में आज अनंत सिंह को बरी कर दिया गया। मोकामा के पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह पर 2019 में आदर्श आचार संहिता का मामला दर्ज हुआ था।

मामले में साक्ष्य के अभाव में अनंत सिंह को बरी कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष अनंत सिंह के खिलाफ आरोप को साबित करने में विफल रहा। मुंगेर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फैसला सुनाया। मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के समय का है। जब 31 मार्च 2019 को बिना इजाजत के अनंत सिंह 16 गाड़ियों के काफिले के साथ पत्नी नीलम देवी के लिए चुनाव प्रचार करने निकले थे। इन गाड़ियों में उनके समर्थक बैठे हुए थे। अनंत सिंह ने अपनी पत्नी और कांग्रेस की प्रत्याशी नीलम देवी के समर्थन में धरहरा में चुनाव प्रचार किया था। तब जमालपुर के अंचलाधिकारी अबुल हुसैन ने अनंत सिंह और उनके 80-100 समर्थकों पर केस दर्ज कराया था। सबूत के अभाव में एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान अनंत सिंह सहित 80-100 समर्थक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था, लेकिन आरोप पत्र सिर्फ अनंत कुमार सिंह के खिलाफ कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। शनिवार 3 मई को इस मामले पर सुनवाई करते हुए मुंगेर कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम सह सहायक सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार पंकज ने साक्ष्य के अभाव में अनंत सिंह को बरी कर दिया। अनंत सिंह को भले ही कोर्ट से रिहाई मिल गई लेकिन वो अभी जेल में ही रहेंगे। अनंत सिंह कुछ दिन पहले पैरोल पर 24 घंटे के लिए बेऊर जेल से बाहर निकले थे। शादी में शामिल होने के बाद वो वापस बेऊर जेल लौट गये।

मिड-डे मील में अंडों की वापसी, शुक्रवार को रहेगा बच्चों की थाली में

पटना। अब अंडे पर लगी रोक हटा दी गई है। पहले बर्ड फ्लू के कारण स्कूलों में अंडे पर रोक थी। बच्चों को मध्याह्न भोजन में अंडा नहीं मिल रहा था। शिक्षा विभाग ने सावधानी बरतते हुए यह फैसला लिया था। अब पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने कहा है कि अंडा पका कर खाना सुरक्षित है। सूबे में वैसे तो अंडा 365 दिन खाया जाता है। सर्दियों में इसकी डिमांड कई गुणा बढ़ जाती है। गर्मी में अंडे की खपत कुछ कम हो जाती है। अंडे को लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। बर्ड फ्लू के चलते सीतामढ़ी समेत सूबे के सभी जिलों में अंडे की बिक्री में अप्रत्याशित कमी आई थी। शिक्षा विभाग भी गंभीर था।

मुजफ्फरपुर में घूस लेते रंगेहाथ राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले के मोतीपुर प्रखंड से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। जहां एक राजस्व कर्मचारी जमीन के दाखिल- खारिज के लिए पैसे की वसूली कर रहा था। उसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की। निगरानी ने पहले मामले का सत्यापन किया। सत्य पाए जाने के बाद कर्मचारी के लिए जाल बिछाया। पटना की विशेष निगरानी टीम ने कथैया थाने पर जमीन संबंधित जन शिकायत की सुनवाई में आए राजस्व कर्मचारी पंकज कुमार सिन्हा को सात हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। चकचूहर के अरुण कुमार से पांच डिसमिल जमीन के दाखिल-खारिज के लिए कर्मचारी पंकज कुमार सिन्हा ने सात हजार घूस की राशि मांगी थी।

2007 से पहले नियुक्त योग्य शिक्षकों को वेतन व पेंशन का मिलेगा लाभः हाई कोर्ट

केटी न्यूज/पटना

पटना हाईकोर्ट ने राज्य के हजारों निजी डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि 19 अप्रैल 2007 से पहले नियुक्त सभी योग्य शिक्षकों को वेतन, पेंशन और अन्य सेवा लाभ दिए जाएं। यह आदेश तीन महीने के भीतर लागू करने का निर्देश दिया गया है।

यह फैसला कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश अशुतोष कुमार और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की खंडपीठ ने सुनाया। जिसने राज्य सरकार की दो अपीलों को खारिज करते हुए शिक्षकों के पक्ष में निर्णय दिया। अदालत ने कहा कि शिक्षकों को बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 की धारा 57-अ में 2015 में किए गए संशोधन का लाभ मिलेगा। चाहे उनके कॉलेज 'डिफिसिट ग्रांट' योजना में आते हों या 'परफॉर्मेंस ग्रांट' में। राज्य सरकार ने कोर्ट में तर्क दिया था कि यह संशोधन केवल परफॉर्मेंस ग्रांट प्राप्त कॉलेजों पर लागू होता है, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए इसे शिक्षा नीति की भावना के खिलाफ और असंवैधानिक बताया। कोर्ट ने कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन और सेवा लाभ एक मौलिक सिद्धांत है, और इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी माना कि अधिकांश शिक्षक कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी की अनुशंसा पर नियमित प्रक्रिया के तहत नियुक्त किए गए थे। राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के विघटन के बाद नियुक्तियां कॉलेज स्तर पर की गई थीं, और शिक्षक वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को वऋष्ठ वेतनमान के अनुरूप पेंशन दी जाए, जिससे वर्षों से सेवा देने वाले वरिष्ठ शिक्षकों को भी न्याय मिल सकेगा।

अधिकारियों की मनमानी पर लगायी जाएगी रोक, उठाये जायेंगे सख्त कदम

शिक्षकों के वेतन की प्राथमिकताः डॉ. सिद्धार्थ

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने शिक्षा की बात-हर शनिवार कार्यक्रम के 13वें एपिसोड में कई बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने टीआरई-3 के अंतर्गत चयनित शिक्षकों की पोस्टिंग की समयसीमा स्पष्ट करते हुए कहा कि रविवार से तीन चरणों में पोस्टिंग ऑर्डर जारी किया जाएगा और सभी शिक्षक 15 मई 2025 से पहले स्कूल ज्वाइन कर लेंगे। इसके बाद वे विधिवत रूप से शैक्षणिक कार्यों की शुरूआत करेंगे। डॉ. एस. सिद्धार्थ ने टीआरई-3 की पोस्टिंग को लेकर स्पष्ट कहा कि रविवार को सबसे पहले 11 जिलों का पोस्टिंग ऑर्डर निकलेगा।

महिला शिक्षकों के स्थानांतरण पर फोकस : डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहा कि बीपीएससी टीआरई-1 और टीआरई-2 के अंतर्गत कार्यरत महिला शिक्षकों के दूरी आधारित स्थानांतरण की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू की जाएगी। इसकी जानकारी सभी को ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से मिल जाएगी।

भावुक कर देने वाला शिक्षक का पत्र : इस खास कार्यक्रम के दौरान डॉ. एस. सिद्धार्थ ने एक विशेष पत्र का जिक्र किया। जिसे बीपीएससी टीआरई-1 के एक शिक्षक ने बड़े दर्द और व्यथा के साथ लिखा था। इस पत्र में वेतन में देरी, डीईओ-डीपीओ का दुर्व्यवहार, रिश्वतखोरी जैसे गंभीर मुद्दे उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने इस पत्र को कई बार पढ़ा है और शिक्षकों की वेदना को पूरी तरह समझा है। डॉ. एस. सिद्धार्थ ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जब तक शिक्षकों को वेतन नहीं मिलेगा। तब तक शिक्षा विभाग के कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों (ग्रुप डी को छोड़कर) को वेतन नहीं दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों को तंग करने या वेतन रोकने की शिकायत आयी तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल में सुधार और निगरानी : इसके साथ ही शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहा कि विभाग ने हाल ही में ग्रीवांस हैंडलिंग पोर्टल को ई-शिक्षा कोष से जोड़ा है, जिसमें कुल 11 अवयव हैं। इनमें भुगतान से लेकर स्कूल इंफ्रास्ट्रचर, शिक्षकों की शिकायत और उपस्थिति की निगरानी तक की पूरी व्यवस्था ऑनलाइन है। वे खुद हर सुबह और शाम इसे मॉनिटर करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कई शिकायतें देखकर बेहद दुख हुआ है। अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब वेतन भुगतान, ईएल-सीएल अवकाश, मातृत्व अवकाश की सारी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

देश को धर्म में बांटकर लोगों का ध्यान विकास से भटकाना चाहते हैं- कांग्रेस विधायक

गोड्डा, एजेंसी। जिला में रिजेक्ट वक्फ बिल एंड सेव कांस्टीट्यूशन को लेकर जिला भर से मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। यहां लोग होर्डिंग व बैनर के साथ मेला मैदान में अपनी बातों को रखा। इस मौके पर बिहार झारखंड व ओडिशा के इमारते शरिया के मुफ्ती सोहराब नदवी और मो। सोहैल ने कहा कि वक्फ बिल को हम किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे ।इस मौके कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार वक्फ संशोधन बिल जैसे बिल लाकर बस लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी मंशा है वक्फ बिल लाकर बहुसंख्यक वोट को अपने पक्ष में करे। क्योंकि विकास जैसे मुद्दों पर भाजपा सरकार को दिखाने के लिए कुछ नहीं है। वो समय समय पर हिंदू-मुस्लिम विभेद वाले मुद्दे लाती रहती है, कभी एनारसी, सीएए तो कभी तीन तालाक कानून ।विधायक प्रदीप यादव ने तीन तालक जैसे कानून पर चुटकी लेते हुए अपनी सदन में बोली पुरानी कविता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट का कुछ हिस्सा उनके पक्ष में आये, इसलिए तीन तलाक तीन तलाक खूब चिल्लाये और खुद की बारी आयी तो चुपके से तलाक ले गए ।वहीं स्थानीय भाजपा नेता की ओर तंज कसते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि भाजपा के बड़े-बड़े नेता चलेगा छोटे नेता भी बड़ी बात करते है लेकिन अपनी बारी आती है पत्नी का पल्लू थाम लेते हैं। उनका संकेत स्थानीय जनप्रतिनिधि की ओर था। वहीं उन्होंने कहा कि जिस तरह कश्मीर के लोगों ने एकता का परिचय दिया और गोड्डा के असनबानी के मुसलमानों ने आतंकवाद का विरोध कर पुतला फूंका ये ऐतिहासिक है।

नक्सली डंप से जिलेटिन, डेटोनेटर और विस्फोटक सामग्री बरामद

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने टोंटो थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का एक डंप ध्वस्त कर दिया। टोंटो थाना क्षेत्र के वनग्राम बामईबासा और गौबुरू के जंगली-पहाड़ी इलाके में यह कार्रवाई की गई। सुरक्षाबलों को डंप से 16 जिलेटिन छड़, 2 डेटोनेटर, 1 फ्यूज, 5 किलोग्राम अर्ध तरल विस्फोटक और 3 केन आईईडी बरामद हुए। प्रत्येक केन आईईडी का वजन 3 किलोग्राम था। इसके अलावा 41 लोहे के छड़, 2 पाइप, 80 मीटर तार, 2 बैटरी और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री भी मिली। सुरक्षा की दृष्टि से बम निरोधक दस्ते की मदद से सभी विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल समेत कई नक्सली नेता अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं। इसी के मद्देनजर 2022 से गोईलकेरा और टोंटो थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में चाईबासा पुलिस के साथ कोबरा, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की कई बटालियन शामिल हैं। नक्सल विरोधी अभियान अभी भी जारी है।

अंतरिक्ष कार्यक्रमों में इसरो आगे बढ़ रहा, पुरानी गलतियों से बहुत कुछ सीखा

रांची, एजेंसी। सरला बिरला विवि में एक्सपर्ट टॉक के अवसर पर 'सेफ लैंडिंग ऑफ चंद्रयान -3' विषय का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध वैज्ञानिक व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राधाकांत पाधी शरीक हुए। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों में इसरो निरंतर आगे बढ़ रहा है और इस दिशा में हमने अपनी पुरानी गलतियों से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने भारत के विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों पर विस्तार से जानकारों दी। रॉकेट रिकवरी पर इसरो के प्रयासों पर भी विचार साझा किए। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु द्वारा चंद्रयान -2 की नाकामी को दूर किए जाने, एक्यूरेट लैंडिंग में सॉफ्टवेयर एल्गोरिद्म के इस्तेमाल व ऑप्टिमल सॉफ्टवेयर एल्गोरिद्म से ईंधन की बचत पर व्याख्यान दिया। चंद्रमा पर रफ ब्रेकिंग व फाइन ब्रेकिंग पर भी उन्होंने मौजूद श्रोताओं को जानकारी साझा की। मौके पर विवि के महानिदेशक प्रो। गोपाल पाठक ने आईआईएससी, बेंगलुरु व इसरो के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। कुलपति प्रो। सी जगनाथन ने ऑप्टिमाइजेशन तकनीक की चर्चा की।

प्रदेश में मई के पहले दो हफ्ते में बारिश

महीने के अंत तक 42 डिग्री तक जाएगा पारा

रांची, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों में 7 मई तक आंधी, ओलावृष्टि, वज्रपात और बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इस परिवर्तन को देखते हुए आज पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार जिला में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं रांची सहित 20 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि आज राज्य के 20 जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इधर लगातार मौसम में बदलाव से मई महीने में मौसम सुहाना हो गया है। सभी जिलों का अधिकतम और न्यूनतम तापमान गिरा है। बीते दो दिनों में कई जगहों पर ओलावृष्टि, बारिश और मेघ गर्जन के साथ तेज हवा चली। मौसम विभाग के अनुसार 4, 5 और 6 मई को सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके आगे बढ़ने की भी संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन राजस्थान से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश की ओर बढ़ रहा है। इसका असर झारखंड पर पड़ रहा है। यही वजह है कि आए दिन राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग स्तर की बारिश हो रही है।राज्य के सभी जिलों के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आने से मौसम में ठंडापन आया है। खासकर रात में तापमान मई और गिरावट आ रही है। बीते तीन दिनों में सबसे अधिक तापमान की बात करें तो पलामू का रिकॉर्ड किया गया है। यहां औसत अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 31।8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5।3 डिग्री सेल्सियस कम है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 15 मई तक गर्मी से राहत रहेगी। पहले दो हफ्ते बारिश की संभावना है। वज्रपात और आंधी के भी आसार हैं। इस दौरान तापमान में गिरावट आएगी। पारा 32-34 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। आसमान में बादल छाए रहेंगे, लेकिन मौसम शुष्क बना रहेगा। दूसरे और तीसरे सप्ताह में भी सामान्य से कम बारिश होगी। मई के तीसरे और चौथे सप्ताह में तापमान में वृद्धि होगी। महीने का अंतिम सप्ताह लोगों को तपाएगा। इस दौरान पारा के 40 से 42 डिग्री तक चढ़ने की संभावना है। इस माह पिछले साल की गर्मी का रिकॉर्ड भी टूट सकता है।

आधार में छेड़छाड़ कर नाबालिग को बालिग बना रहे मानव तस्कर, देवघर और बक्सर से दबोचे गए आरोपी

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के संताल परगना क्षेत्र के आदिवासी बच्चों की तस्करी में झारखंड और बिहार के तस्करों ने हाथ मिलाया है। देवघर के मार्गोमुंडा गांव के चार नाबालिगों को चेन्नई ले जा रहे झारखंड के देवघर और बिहार के बक्सर के मानव तस्कर को आरपीफ ने धनबाद स्टेशन पर घेर कर पकड़ा। इनमें देवघर जिले के बुढ़ई का 41 वर्षीय रामजीत पंडित और बक्सर के भगवानपुर का 43 साल के राधे श्याम सिंह शामिल हैं। मुक्त कराए गए नाबालिगों को रेलवे चाइल्ड लाइन को सौंपा गया। पकड़े गए मानव तस्कर रेल पुलिस के हवाले कर दिए गए। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने चारों नाबालिगों को बोकारो के आश्रय गृह सहयोग विलेज में आवासित कराया।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि देवघर के रहने वाला रामजीत चारों नाबालिग को लेकर सड़क मार्ग से धनबाद आया था। उसका साथी राधेश्याम धनबाद स्टेशन पर पहले से ही मौजूद था। प्लेटफॉर्म 7 पर धन बदल अलेप्पी एक्सप्रेस खड़ी थी। ट्रेन पर सवार होने ही वाले थे, तभी आरपीएफ की टीम पहुंच गई। आरपीएफ को देखते ही दोनों तस्कर अलग- अलग होकर इधर-उधर छिपने लगे। भागने के दौरान उन्हें घेर कर पकड़ा गया।

पूछताछ में राधेश्याम सिंह ने बताया कि वह और रामजीत दोनों चेन्नई में काम करते हैं। पहले केरल की अलग-अलग फैक्ट्री में काम करते थे। अब पिछले 6 महीने से एक ही फैक्ट्री में काम करते हैं। केरल में रहने के दौरान ही वेल लेबर सप्लायर भी बन गया।विभिन्न फैक्ट्री में अलग-अलग जगह से मजदूरों की आपूर्ति करने लगा। केरल की कुछ कंपनियों ने जोखिम भरे काम के लिए मजदूर लाने का काम सौंपा।इस काम के लिए राधेश्याम ने रंजीत से संपर्क किया और उसे 20000 रुपये एडवांस देकर देवघर से मजदूर लाने को भेजा। रामजीत देवघर आया और पैसे का लालच देकर चार नाबालिगों को अपने झांसे में ले लिया।

नाबालिगों से पूछताछ में उन्होंने बताया की रामजीत ने उनका आधार कार्ड ले लिया था। उसी ने आधार कार्ड में फर्जीवाड़ा कर चारों को नाबालिग से बालिग बनाया। उसने केरल में नौकरी के बदले 10-10 हजार रुपये दिलाने की बात कही थी।

नाबालिगों को स्लीपर क्लास से अलेप्पी एक्सप्रेस से धनबाद से पलक्कड़ ले जाया जा रहा था। रास्ते में खाने-पीने और अन्य खर्चों के लिए प्रत्येक को एक-एक हजार एडवांस भी दिया गया था। आरपीएफ ने रामजीत के पास से एक प्लेटफार्म टिकट और अलेप्पी एक्सप्रेस का छह आरएसी टिकट बरामद किया है। साथ ही 740 रुपये नगद और टच स्क्रीन मोबाइल भी बरामद किया गया है।

आरपीफ सीआइबी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम, एएसआइ सुशील कुमार, शशिकांत तिवारी, बृजेश कुमार, तनवीर खान और विकास कुमार।

आधार फर्जीवाड़ा कर नाबालिगों को बालिग बनाने की पांच दिनों में दूसरी घटना है। इससे पहले रविवार को साहिबगंज के पांच नाबालिगों के साथ वहीं के लेबर सप्लायर नूर इस्लाम को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया था।

गिरिडीह पुलिस ने कसी कमर, लिमिट स्पीड क्रॉस करने वाले वाहन चालने वालों की खैर नहीं

गिरिडीह, एजेंसी। तेज रफ्तार हमेशा ही जानलेवा रही है। ज्यादातर सड़क दुर्घटना के पीछे की वजह तेज रफ्तार ही रहती है। रफ्तार के कारण लोग वाहन पर अपना नियंत्रण खो देते हैं जिसकी वजह से बहुतों की जान भी जा रही है। गिरिडीह में तो हर दूसरे तीसरे दिन सड़क दुर्घटना में किसी न किसी की जान जा रही है। ऐसे में इन दुर्घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए गिरिडीह पुलिस ने अपनी तैयारी को और भी दुरुस्त है। गिरिडीह पुलिस अब तेज रफ्तार वाहनों को ट्रेस करेगी। तय लिमिट से ज्यादा की रफ्तार क्रॉस करने वाले वाहनों को न सिर्फ चिन्हित करेगी बल्कि ऐसे वाहनों से जुर्माना भी वसूलेगी।

इस पूरे मामले पर जानकारी साझा करते हुए डीएसपी कौसर अली ने बताया शहर से सटे इलाके में हाई स्पीड लेजर डिटेक्टर कैमरा लगाया गया है और स्पीड की जांच शुरू कर दी है। अभी ट्रायल किया जा रहा है और जल्द ही इस व्यवस्था को लागू कर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जो हाई स्पीड लेजर डिटेक्टर कैमरा है वह पूरी तरह कंप्यूटर जनित है।

इस कैमरे नुमा कंप्यूटर में खासियत है कि यह ऑटोमेटिक आने और जाने वाले वाहनों की स्पीड को ट्रेस करता है। इस दौरान जब स्नैप किया जाता है तो वाहन के नंबर को भी यह कैमरा रीड कर लेता है। इसके साथ ही साथ यहीं से चालान जेनरेट होता है और वाहन के मालिक को मैसेज चला जाता है। चालान भी ऑनलाइन काटा जाता है।

जाति जनगणना से ओबीसी वोटर को साधने में जुटेगी भाजपा, निकाय चुनाव पर होगा फोकस

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के लिए राज्य में जातिगत जनगणना के फैसले से सामाजिक समीकरण साधने का नया अवसर सामने आया है। झामुमो-कांग्रेस गठजोड़ के पास आदिवासी और मुस्लिम मतों का बड़ा हिस्सा है।

भाजपा अब ओबीसी समुदाय को नरेन्द्र मोदी सरकार के जातिगत जनगणना के लाभ से परिचित कराएगी। राज्य में कुड़मी, आदिवासी, यादव जैसे बड़े ओबीसी जातियों का अगर समर्थन मिलता है तो यह भाजपा की चुनावी रणनीति के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ओबीसी समुदाय के अलावा दलितों को भी भाजपा बाबा साहब आंबेडकर के प्रति पार्टी की नीतियों से प्रभावित करने में लगी है। लेकिन इस अभियान को शालीनता से चलाया जाएगा।

पार्टी का मानना है कि पारंपरिक तौर पर अपने वोट बैंक रहे सामान्य समुदाय को नाराज किए बगैर ओबीसी-दलित समुदाय को जातिगत जनगणना के लाभ की जानकारी दी जाए। केंद्र के स्तर से इसके लिए निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है।

राज्य में इस साल स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा लगातार राज्य सरकार को घेरती रही है। अब जातिगत जनगणना के निर्णय को लेकर पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में जाएगी।

हाल के दिनों में कुड़मी समुदाय का बड़ा हिस्सा भाजपा गठबंधन से छिटका है। इसकी वजह से विधानसभा चुनाव में पार्टी को खासा नुकसान हुआ। नए राजनीतिक निर्णय से पार्टी को निकाय चुनाव में बढ़त की उम्मीद है।

भाजपा प्रदेश ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरदीप यादव का कहना है कि उनकी पार्टी हमेशा लोगों की आकांक्षा को पूरा करती है। सभी समुदाय को सशक्त करने में यह निर्णय उपयोगी होगा।

चोरी व गुम हुए मोबाइल फोन को पुलिस ने लोगों को लौटाया

रामगढ़, एजेंसी। एसपी अजय कुमार ने शुक्रवार को 15 लोगों के खोये और चोरी हुए मोबाइल फोन पुलिस ने लौटाए। इसको लेकर एसपी कार्यालय में एक समारोह का आयोजन किया गया था। एसपी अध्यक्षता में ऑपरेशन आशा के तहत खोये, गुम मोबाइल को बरामद कर पुलिस द्वारा वास्तविक धारकों को सौंपा गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस पदाधिकारी को इस संबंध में कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

मुख्य सचिव ने डीजीपी मामले में गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट, कहा- डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति उचित

रांची, एजेंसी। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के सेवानिवृत्ति के मामले में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट भेजी गई है। इस रिपोर्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को उचित बताया गया है। इसे लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति कैबिनेट में लिये गये निर्णय और गठित समिति की अनुशंसा पर की गयी थी।

इसके साथ ही रिपोर्ट के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को पूरे मामले की बिंदुवार जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि झारखंड डीजीपी के पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति सही है। यही वजह है कि उन्हें 30 अप्रैल से रिटायर करने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जानकारी हो कि डीजीपी मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मुख्य सचिव को एक पत्र भेजा गया था।

इधर, राज्य के नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने डीजीपी मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घेरा है। इसे लेकर बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा किया है। पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि जब से अनुराग गुप्ता डीजीपी बने हैं, तब से झारखंड में कोयला खनन बेतहाशा बढ़ा है। इसके साथ ही वसूली करने वालों द्वारा वसूली का पैसा भी बढ़ा है, जो सीएम हेमंत सोरेन की जेब में जाता है।इसके अलावा भाजपा नेता ने सीएम से यह भी सवाल किया है कि आखिर क्या वजह है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ष्ठत्रक्अनुराग गुप्ता से इतना प्रेम दिखा रहे हैं। बता दें कि इससे पूर्व भी बाबूलाल मरांडी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डीजीपी मामले को उठाया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है, जो डीजीपी विहीन प्रदेश बन चुका है।

झारखंड में होगी नए डीजीपी की नियुक्ति बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार से कर दी मांग

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि राज्य दो दिनों से पुलिस महानिदेशक विहीन है। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में मरांडी ने कहा कि राज्य में एसीबी, सीआईडी और पुलिस सभी के डीजीपी का पद रिक्त हैं।

मौजूदा डीजीपी अनुराग गुप्ता द्वारा दिए जा रहे निर्देश और निर्णय भारत सरकार के गृहमंत्रालय के अनुसार असंवैधानिक हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जिस आईपीएस अधिकारी पर भ्रष्टाचार और पक्षपात का आरोप हो उसे जनता की सुरक्षा कैसे सौंपी जा सकती है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन्हें 24 फरवरी 2020-से 9 मई 2022 तक 26 महीने निलंबित रखा था। इसके बाद ईडी के मुकदमों को मानेज करने के नाम पर दोनों में निकटता हुई।

मरांडी ने आरोप लगाया कि अनुराग गुप्ता के प्रयास से ईडी के अफसरों को डराने और काम से रोकने के लिये तीन-तीन मुकदमे पुलिस में दर्ज करवाए गए। 2024 में चुनाव आयोग ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को अपने पद का दुरुपयोग करने का दोषी पाया और उन्हें हटाकर दूसरे डीजीपी की नियुक्ति की।

ऑल इंडिया सर्विस नियमों के अनुसार, सरकार को डीजीपी की नियुक्ति के लिए पैनल की अनुशंसा यूपीएससी को भेजनी होती है। अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल को रिटायर होने वाले हैं, लेकिन सरकार ने सारे नियम-कानूनों को धता बताते हुए 3 फरवरी को उन्हें झारखंड का डीजीपी नियुक्त कर दिया।

जानबूझकर रिटायरमेंट के 2 महीने पहले नियुक्ति करना दर्शाता है कि वे नियुक्ति के बाद कम से कम दो साल डीजीपी बनाए रखने वाले नियम का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं।

कोढ़ा गैंग से जुड़े दो लोग गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। पलामू पुलिस और गुमला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मेदिनीनगर से कोढ़ा गैंग से जुड़े दो आरोपियों गिरफ्तार किया है। जिससे पलामू में एक बैंक में होने वाली लूट की घटना विफल हो गई है। दरअसल पलामू के भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में कोढ़ा गैंग से जुड़े हुए दो आरोपी रेकी कर रहे थे। इसी क्रम में गुमला एवं पलामू पुलिस ने रेकी करते हुए कोढ़ा गैंग से जुड़े हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया। इससे पहले गुमला पुलिस पलामू में बैंक के खिलाफ कार्रवाई के लिए कैंप कर रही थी।

चाकुलिया में मुसलमानों के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र का फर्जीवाड़ा, पंचायत सचिव और वीएलई गिरफ्तार

चाकुलिया (पूर्वी सिंहभूम), एजेंसी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया के बहुचर्चित फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में स्थानीय पुलिस ने आरोपित मटियाबांधी पंचायत के पंचायत सचिव सुनील महतो एवं वीएलई (कंप्यूटर आपरेटर) सपन महतो को हिरासत में ले लिया है। शुक्रवार शाम चाकुलिया बीडीओ आरती मुंडा के आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद देर रात दोनों आरोपियों को उनके घर से पुलिस ने उठा लिया। फिलहाल उनसे फर्जीवाड़ा को लेकर पूछताछ की जा रही है

बता दें कि मटियाबांधी पंचायत में वर्ष 2024- 25 में साल भर के भीतर सारे नियम कायदों को तक पर रखकर 4400 से अधिक जन्म प्रमाण पत्र निर्गत हुए हैं। अब तक हुई जांच के मुताबिक इनमें से करीब 4000 जन्म प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से निर्गत किए गए हैं।

जिस पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता वहां 700 से अधिक मुस्लिम समुदाय के लोगों के प्रमाण पत्र निकाले गए हैं। इसके अलावा 11 ट्रांसजेंडर का भी जन्म प्रमाण पत्र यहां से निर्गत हुआ है जबकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक यहां एक भी ट्रांसजेंडर नहीं रहता।

इतना ही नहीं जमशेदपुर के अलावा धनबाद, बोकारो एवं गुमला जैसे शहरों में रहने वाले लोगों के भी मटियाबांधी पंचायत से जन्म प्रमाण पत्र हासिल करने की बात सामने आ रही है।शुक्रवार की रात करीब 10 बजे घाटशिला एसडीओ सुनील चंद्र एवं एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर ने चाकुलिया थाना आकर जन्म प्रमाण पत्र मामले में चल रही जांच का जायजा लिया। एसडीओ ने कहा कि सभी फर्जी प्रमाण पत्रों को रद्द किया जाएगा तथा इसे बनाने एवं बनवाने वालों पर समुचित कानूनी कार्रवाई होगी।

अंतरिक्ष कार्यक्रमों में इसरो निरंतर आगे बढ़ रहा है: राधाकांत

रांची, एजेंसी। अंतरिक्ष कार्यक्रमों में इसरो निरंतर आगे बढ़ रहा है और इस दिशा में हमने अपनी पुरानी गलतियों से काफी कुछ सिखा है' यह बातें प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राधाकांत पाधी ने कही। वे शुक्रवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित एक्सपर्ट टॉक के अवसर पर 'सेफ लैंडिंग ऑफ चंद्रयान -3' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

उन्होंने भारत के विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रॉकेट रिकवरी पर इसरो के प्रयासों पर भी अपना विचार व्यक्त किया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु द्वारा चंद्रयान -2 की नाकामी को दूर किए जाने, एक्यूरेट लैंडिंग में सॉफ्टवेयर एल्गोरिद्म के इस्तेमाल और ऑप्टिमल सॉफ्टवेयर एल्गोरिद्म से ईंधन की बचत पर उन्होंने व्याख्यान दिया। चंद्रमा पर रफ ब्रेकिंग और फाइन ब्रेकिंग पर भी उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को जानकारी दी। इस अवसर पर विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने आईआईएससी, बेंगलुरु और इसरो के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने एक्सपर्ट टॉक के निमित्त सरला बिरला विश्वविद्यालय का दौरा करने के लिए प्रो। पाधी का आभार व्यक्त किया। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने ऑप्टिमाइजेशन तकनीक की चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न मिशनों के लिए इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ। नित्या गर्ग ने किया। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस एक्सपर्ट टॉक के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

सुभाषितम्

हथौड़ा कभी कभी अपना निशाना चूक भी जाता है; लेकिन फूलों का गुलदस्ता कभी नहीं। - अज्ञात

लक्ष्मी के आगे पराजित होती सरस्वती

अनादि काल से आज तक मां लक्ष्मी को धन की देवी और माँ सरस्वती को ज्ञान की देवी के रूप में पूजा की जाती है। भारत में कहावत है, जहां लक्ष्मी रहती है, वहां सरस्वती का वास नहीं होता है। जहां सरस्वती रहती है, वहां पर लक्ष्मी का वास नहीं होता है। सारी दुनिया के देशों में यह देखने को मिल रहा है। अब ज्ञान के स्थान पर पूंजी को महत्व दिया जा रहा है। विश्व के सभी देशों में इस समय धन की पूजा हो रही है। सत्ता में बैठे हुए लोग धन के पीछे भाग रहे हैं। जिसके कारण सरस्वती जी को जगह-जगह अपमानित होना पड़ रहा है। अमेरिका और भारत जैसे देशों में भी अब पूंजीवाद का प्रभाव सरकार और जनसामान्य के देखने को मिल रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग ऐसी किसी चुनौती को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, जो उनके सत्ता के सफर में कठिनाई पैदा करें। जिसके फलस्वरूप विभिन्न देशों में शिक्षण संस्थानों को जो सहायता सरकारों द्वारा दी जा रही थी। उसे कम या बंद किया जा रहा है। शिक्षण संस्थानों से जो पढ़कर निकलते है। वह सरकार से जवाब-सवाल करने लगते है। जो सत्ता में बैठे लोगों को स्वीकार नहीं है। अमेरिका ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को जो टैक्स की छूट सरकार से मिलती थी, वह खत्म कर दी है। इसके पहले अमेरिकी सरकार द्वारा शोध के लिए जो सहायता यूनिवर्सिटी को दी जाती थी। वह पहले ही बंद कर दी गई थी यूनिवर्सिटी में जिस तरह से ज्ञानवान लोग आगे निकलते हैं। वह सरकार के लिए आगे चलकर कड़ी चुनौती बनते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने 02 मई 2025 को ऐलान कर दिया है, उनका प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की टैक्स छूट का दर्जा समाप्त करने जा रहा है। सरकार के इस कदम से विश्वविद्यालय के ऊपर कई गुना आर्थिक भार बढ़ेगा। जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई काफी मुश्किल और महंगी होगी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में दुनिया भर के देशों से बच्चे पढ़ने के लिए पहुंचते है। यह यूनिवर्सिटी विश्व भर में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अग्रणी है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ इस तरह का कदम उठाया है। इससे स्पष्ट है, कि पूंजीवादी सिद्धांत में, ज्ञान का कोई स्थान नहीं है। पूंजी से पूंजी बढ़ती है। ऐसा पूंजीपति मानते हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति भारत में भी पिछले कई वर्षों से देखने को मिल रही है। पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थानों के शोध के लिए जो राशि दी जाती थी। उसे सरकारा द्वारा बंद या राशि कम कर दी गई है। यूनिवर्सिटी और शिक्षण संस्थानों की सहायता राशि में लगातार कटौती हो रही है। पढ़ने वाले छात्रों की फीस बढ़ा दी गई है। भारत के शिक्षण संस्थानों में एक विचारधारा विशेष के ही लोगों को, शिक्षण संस्थानों में विशेष संरक्षण दिया जा रहा है। भारत के शिक्षण संस्थान पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक रूप से लगातार कमजोर किए गए हैं। उन्हीं शिक्षण संस्थानों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जो सरकार की विचारधारा के अनुसार काम कर रहे हैं। भारत में शिक्षा प्राइवेट सेक्टर में बढ़ रही है। प्राइवेट सेक्टर की फीस में युवाओं को शिक्षित किया जा रहा था। अब उसकी फीस भी कई गुना बढ़ा दी गई है। यही कहा जा सकता है। कभी भी लक्ष्मी और सरस्वती एक साथ नहीं रहती हैं। सरकारों में जो नेता दुनिया के देशों में बैठे हुए हैं। पूंजीवादी व्यवस्था में ज्ञान का कोई स्थान नहीं है। शिक्षण संस्थानों को कमजोर किया जा रहा है। यह वास्तविक रूप से दिख रहा है। यह कब तक चलेगा, लक्ष्मी और सरस्वती के बीच में समन्वय बनेगा या नहीं, इसको लेकर आमजनों में चिंता बढ़ने लगी है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं। इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, आम लोगों की आवाज प्रशासन तक पहुंचने में प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका

- किशन

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल युग में मीडिया के अनेकों प्लेटफॉर्म्स आ जाने के कारण न केवल लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की जवाबदेही बढ़ गई है बल्कि दुनियाँ के सरकारों की भी जवाब दे गई बढ़ गई है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के साथ - साथ देश की एकता अखंडता सुरक्षा व सुरक्षा से जुड़े सीक्रेट्स को बनाए रखना होता है, ताकि विदेशी हमलों से सुरक्षा की जा सके इसलिए हमने देखे कि पिछले दिनों भारत सरकार ने प्रेस के लिए गाइडलाइंस भी जारी किए थे।आज हम प्रेस से जुड़े मुद्दे इसलिए उठा रहे हैं क्योंकि 3 मई 2025 को हम विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 मना रहे हैं, इस दिन दुनियाँ भर में प्रेस की स्वतंत्रता का मूल्यांकन किया जाता है,मीडिया को उसकी स्वतंत्रता पर हमले से बचाया जाता है, अपने पेशे के दौरान जान कुर्बान करने वाले मीडिया साथियों को श्रद्धांजलि दी जाती है। चूँकि वर्तमान डिजिटल युग में इलेक्ट्रॉनिक सोशल व प्रिंट मीडिया में पारदर्शिता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता व ईमानदारी से काम करना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 3 मई 2025, वर्तमान डिजिटल युग में लोकतंत्र के चौथेस्तंभ प्रेस के सभी प्लेटफॉर्म्स की महत्वपूर्ण भूमिका। साथियों बात अगर हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस की स्वतंत्रता की करें तो, लोकतंत्र के चार स्तंभ होते हैं यह हम सब जानते हैं। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायका और प्रेस/मीडिया। लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ का विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 3 मई 2025 को मनाया जा रहा है।प्रेस/मीडिया की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने, आम लोगों की आवाज प्रशासन तक पहुंचाने की है जो आज के युग में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।हालांकि किसी भी देश की सरकारें, शासन-प्रशासन अपने कर्तव्यों अधिकारों का पालन संविधान, कानून, नियमों, विनियमों की प्रक्रिया के दायरे में ही करते हैं तथा देश के उद्योगपति, व्यवसाई नागरिक भी अपना दैन्य जीवनकार्य शासन द्वारा बनाए नियमों की सीमाओं में ही करते हैं। परंतु कुछ इसके अपवाद भी हो सकते हैं जो इन कानूनों, मयार्दाओं को ताक पर रखकर अपने कर्तव्यों की अनदेखी कर अनधिकृत रूप से कार्यों को दिशा देते हैं। बस ! यही से प्रेस/मीडिया का कार्य शुरू होता है जो इतनीं जोखिम भरी सेवा होती है जो यह हम सब समझ सकते हैं। भारतीय कानूनी प्रणाली द्वारा यह स्पष्ट रूप से संरक्षित नहीं किया गया है लेकिन यह संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (क) के तहत संरक्षित है जिसमें कहा गया है कि सभी नागरिकों को वा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा। हालांकि प्रेस की स्वतंत्रता भी असीमित नहीं होती है। कानून इस अधिकार के प्रयोग पर केवल उन प्रतिबंधों को लागू करता है जो अनुच्छेद 19 (2) मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध के दायरे में आते हैं। वह हैं, भारत की संप्रभुता और अखंडता से संबंधित मामले, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था शालीनता या नैतिकता या न्यायालय की अवमानना के संबंध में मानहानि या अपराध को प्रोत्साहन। साथियों बात अगर हम प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के उद्देश्यों व महत्व की करें तो,विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के उद्देश्य (1) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस, 3 मई, 2025 को मीडिया स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को बढ़ावा देने, दुनिया भर में मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने और पत्रकारों और मीडिया पेशेवरों को उनके काम पर हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। (2) यह पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक रूप से सूचित चर्चा के लिए स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित करने का दिन है जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज की तीन प्रमुख आधारशिलाएँ हैं। (3) पत्रकारों के सामने आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, जिसमें सेंसरशिप, धमकी, उत्पीड़न, कारावास और हिंसा शामिल हैं। (4) ऐसी चुनौतियों को उजागर करके, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सरकारों संस्थानों और व्यक्तियों को प्रेस के लिए एक स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। (5) यह उन पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए भी एक दिन है जो कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में रिपोर्टिंग करना जारी रखते हैं। (6) यह नैतिक पत्रकारिता, शांति और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका और गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है, पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (7) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मीडिया संगठनों, नागरिक समाज और प्रेस स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय निकायों के बीच वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करता है। अंत में, यह सार्वजनिक हित के रूप में स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए सभी क्षेत्रों से समर्थन और सरकारों से जनता के जानने के अधिकार की रक्षा करने का आह्वान करता है विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 का महत्वपूर्ण महत्व--(1) 3 मई, 2025 को, दुनियाँ विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस को एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में मनाएगी, क्योंकि यह लोकतंत्र के निर्माण के साथ-साथ मानवा धिकारों की सुरक्षा में एक स्वतंत्र और स्वतंत्र प्रेस की भूमिका को प्रमाणित करता है। (2) यह एक गंभीर अनुस्मारक है कि प्रेस की स्वतंत्रता एक विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि एक मानव अधिकार है जो नागरिकों को सूचित करता है, उन्हें नागरिक जीवन में शामिल करता है और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह बनाता है। (3) इसका उद्देश्य पत्रकारों के सामने आने वाले विभिन्न खतरों और चुनौतियों जैसे कि सेंसरशिप, धमकी, उत्पीड़न और यहां तक ??कि हिंसा की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करना है। यह ऐसी परिस्थितियाँ लाता है जो मीडिया पेशेवरों के लिए व्यापक सुरक्षा और संरक्षा की माँग करती हैं ताकि वे बढ़ती संख्यामें मानवाधिकार-आधारित जुड़ाव के हित के क्षेत्र में आ सकें। (4) यह गलत सूचना से लड़ने और नैतिक पत्रकारिता का समर्थन करने की माँग करता है जो सूचना देने के लिए है न कि गुमराह करने के लिए। (5) विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस उन पत्रकारों की स्मृति को अमर बनाता है जिन्होंने सत्य की खोज में अपनी अंतिम कीमत चुकाई। (6) यह मीडिया बहुलवाद, पारदर्शिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिक समाज के बीच स्थायी संवाद को बढ़ावा देता है। (7) तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य में, यह दिन हमें सार्वजनिक विश्वास को बढ़ावा देने के लिए विश्वसनीय और स्वतंत्र पत्रकारिता के महत्व के बारे में जागरूक बनाता है। (8) यह अंततः इस बात पर जोर देता है कि प्रेस की स्वतंत्रता न्याय, विकास और दुनिया भर में लोकतांत्रिक मूल्यों के रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण है।

अंततः देश में जाति जनगणना: प्रतिनिधित्व या पुनरुत्थान?

- प्रियंका सौरभ

भारत में दशकों से केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती होती रही है, जबकि अन्य जातियाँ नीति निर्माण में अदृश्य रहीं। जाति जनगणना केवल गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की नींव है। बिना सटीक आंकड़ों के आरक्षण, योजनाएं और संसाधन वितरण अधूरे रहेंगे। विरोध करने वालों को डर है कि उनके विशेषाधिकार चुनौती में पड़ सकते हैं। लेकिन यह गिनती वंचितों की दृश्यता और भागीदारी सुनिश्चित करने का औजार है, न कि समाज को तोड़ने का। जब नीति जाति पर आधारित हो, तो डेटा भी होना चाहिए। भारत को जातियों में बाँटा गया, लेकिन उसे जोड़ने की कोशिश कभी पूरी ईमानदारी से नहीं हुई। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया, मगर समान अवसर की नींव जातिगत असमानता को पहचानने पर ही टिकती है। इसी बुनियाद पर जब आज जाति जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है, तो सवाल खड़ा होता है – क्या यह सामाजिक न्याय का औजार है या समाज को और अधिक खांचों में बाँटने की कवायद? भारत में पिछली बार व्यापक जातिगत जनगणना 1931 में हुई थी। उसके बाद, आजादी के बाद के राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में एक आदर्श सामने रखा गया – ह्यजातिविहीन समाजह्न। इस आदर्श का आकर्षण था, पर व्यवहार में यह एक तरह की चुप्पी थी। 1951 से लेकर 2011 तक हर जनगणना में केवल अनुसूचित जाति (रउ) और अनुसूचित जनजाति (रळ) की गिनती होती रही, बाकी जातियाँ ह्यअदृश्यह्न रहीं। लेकिन अगर नीति आरक्षण आधारित हो, योजनाएं वर्गों के लिए हों, तो आंकड़े क्यों न हों? क्या यह संभव है कि बिना जानकारी के न्यायपूर्ण वितरण हो? बिहार की जाति आधारित सर्वेक्षण ने एक नई लहर पैदा की। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की पहल ने अन्य राज्यों को भी सोचने पर मजबूर किया। एक ओर जातिगत गणना को सामाजिक न्याय की बुनियाद बताया गया, तो दूसरी ओर कुछ वर्गों ने इसे सामाजिक विभाजन का उपकरण कहा। कई राजनीतिक दल इस मांग को समर्थन दे रहे हैं, खासकर वे जिनकी राजनीति वंचित तबकों पर आधारित है। लेकिन केंद्र सरकार की भूमिका झिझकभरी रही है। केंद्र का कहना है कि यह बेहद जटिल प्रक्रिया है और इससे सामाजिक तनाव पैदा हो सकते हैं।

जाति जनगणना के समर्थन में कई मजबूत तर्क दिए जा रहे हैं। अगर हम यह नहीं जानते कि कौन-सी जातियाँ किस आर्थिक व सामाजिक स्थिति में हैं, तो योजनाएं महज अंदाजों पर चलती रहेंगी। आरक्षण का पुनर्मूल्यांकन करना हो या सामाजिक योजनाओं का लक्ष्य तय करना हो, सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (डइउ) की जनसंख्या कई राज्यों में 40-50% तक मानी जाती है, जबकि उन्हें 27% आरक्षण मिलता है। यदि सही आंकड़े हों तो नीति ज्यादा न्यायसंगत हो सकती है।

विरोध करने वालों की मुख्य दलील यह है कि जाति जनगणना समाज में जातीय पहचान को और मजबूत करेगी। इससे सामाजिक एकता को खतरा होगा और राजनीतिक दल केवल जाति कार्ड खेलकर वोट बटोरने लगेंगे। कुछ वर्गों को डर है कि अगर सही आंकड़े सामने आ गए, तो उनका ह्यनिहित अधिकारह्न छिन सकता है – जैसे सवर्ण वर्गों को लगता है कि ओबीसी या दलितों की संख्या के अनुपात में अगर आरक्षण बढ़ा, तो उनके लिए मौके और कम हो जाएंगे। जब बिहार ने अपना जातिगत सर्वेक्षण कराया, तो केंद्र सरकार ने उससे दूरी बनाए रखी। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी मांग उठी, लेकिन सर्वसम्मति नहीं बन सकी। कई बार यह तर्क दिया गया कि यह विषय केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर ही किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में जाति आधारित जनगणना पर सीधे रोक नहीं लगाई, लेकिन कहा कि यह नीति का विषय है और सरकारें अपने विवेक से निर्णय लें। वंचित समुदायों के लिए जाति जनगणना केवल गिनती नहीं है, यह उनकी दृश्यता का सवाल है। अगर समाज में कोई वर्ग आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा है, तो सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि वह है कहां? कितना है? डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था – यदि आपको सुधार करना है, तो पहले तथ्यों को जानिए। जातिगत आंकड़े भी ऐसे ही तथ्य हैं। यह आंकड़े केवल आरक्षण तय करने के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वरोजगार जैसी नीतियों के लिए जरूरी हैं।

आश्चर्य की बात है कि जाति जनगणना जैसे गहन विषय पर मुख्यधारा मीडिया में गंभीर बहस कम होती है। जो बौद्धिक वर्ग खुद को प्रगतिशील मानता है, वह या तो इसे ह्यरिग्रेसिवह्न बताकर खारिज कर देता है या चुप रहता है। दरअसल, समस्या यह नहीं कि जाति की गिनती हो रही है। समस्या यह है कि जिन्हें अपने ह्यविशेषाधिकारह्न की चिंता है, वे इस गिनती से असहज हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल – मान लीजिए कि जाति जनगणना होती है और सभी जातियों के आंकड़े सामने आते हैं। तब क्या होगा? क्या सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण नीति में बदलाव करेंगी? क्या यह संभव होगा कि किसी जाति की संख्या ज्यादा निकलने पर उन्हें ज्यादा हिस्सेदारी दी जाए? या फिर आंकड़ों को दबा दिया जाएगा, जैसा 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (रएउउ) के साथ हुआ? 2011 में हुई रएउउ के आंकड़े आज भी सार्वजनिक रूप से अधूरे हैं। सरकारें आती गईं, लेकिन किसी ने इसे पूरी पारदर्शिता से नहीं जारी किया।

जाति एक सामाजिक सच्चाई है, जिसे नजरअंदाज करना संभव नहीं। जो सत्ताएं जातिविहीन समाज की बात करती हैं, वे चुनावी टिकट देने, मंत्रिमंडल गठन, और अफसरों की नियुक्ति में जाति ही देखती हैं – तो फिर आंकड़ों से डर क्यों? जाति जनगणना न सामाजिक टूटन लाएगी, न समाज की बुनियाद को कमजोर करेगी – बशर्ते इसका उपयोग न्यायपूर्ण नीति निर्माण के लिए हो। डर उन्हें है जिनके पास पहले से ही ज्यादा है। जो वंचित हैं, वे तो सिर्फ अपनी मौजूदगी की पुष्टि चाहते हैं। आखिर यह देश सभी जातियों का है – तो सभी की गिनती क्यों नहीं?

मप्र की सचल कैबिनेट या तुष्टिकरण?

-राकेश अचल

मप्र में शायद सब कुछ ठीक ठाक चल रहा है। यानि अमन है, चैन है। तभी तो मप्र सरकार की कैबिनेट बैठक इस बार भोपाल के बजाय इंदौर में आयोजित की गई है।सरकार रानी अहिल्या बाई के प्रति अपने सम्मान का मुजाहिरा करना चाहती है। रानी की 300वीं जयंती 20 मई को है। भोपाल से बाहर मंत्रिमंडल की बैठकों की रिवायत नयी नहीं है। राजा, महाराजा, ननबाब और अंग्रेज ये शौक फरमाते रहे हैं। चुनी हुई लोकतान्त्रिक सरकारों ने भी इस रिवायत को छोडा नहीं है। ग्वालियर रियासत में राजधानी गर्मियों में ग्वालियर से हटकर शिवपुरी ले जाई जाती थी। भोपाल वाले पचमढी की शरण लेते थे। इस तरह सचल कैबिनेट के तमाम किस्से हैं। लेकिन मोहन यादव सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर में होना अलग बात है। बैठकें राजधानी भोपाल में हों या बाहर कोई खास फर्क नहीं पडता। थोडा बहुत वित्तीय बोझ पडता है तो सुशासन के नाम पर उसे झेलना जनता की जिम्मेदारी है। सवाल ये है कि रानी अहिल्या बाई के सम्मान की फिक्र अचानक क्यों करने लगी सरकार। कल को ग्वालियर वाले महाराज कहेंगे कि बैजाबाई के सम्मान में बैठक ग्वालियर करो तो जाना पडेगा। परसों रानी दुर्गावती के सम्मान का मुद्दा खडा हो सकता है। लेकिन भविष्य की फिक्र कौन करता है। सबको आज की फिक्र है। आज रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती का मामला है। कैबिनेट का स्थान, समय बदलने से कैबिनेट का चरित्र नहीं बदल सकता। कैबिनेट सामंतों के सम्मान में जो करे सो कम है क्योंकि आज भी सत्ता प्रतिषकी मानसिकता पर होल्करों और सिंधियाओं का असर है। सामंतवाद का नशा उतरने में बहुत वक्त लेता है। फिर यदि सामंत सत्ता प्रतिष्ठान का अभिन्न अंग हों तो इह विषय पर बहस ही बेमानी है। मै किसी का दिल नहीं दुखाना चाहता। किसी के सम्मान में गुस्ताखी नहीं करनाक चाहता किंतु जानना चाहता हूँ कि सूबे के वजीरेआला खुद 31दिन में से कितने दिन सचिवालय में अपने कार्यालय में बैठे? माननीय डॉ मोहन यादव का पांव भोपाल में टिकता ही कहां है। वे सबसे ज्यादा सचल मुख्यमंत्री हैं। उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान से भी ज्यादा सचल मुख्यमंत्री हैं।उनका एक पांव हैलीकाप्टर में तो दूसरा हवाई जहाज में रहता है। खबर है कि यह बैठक इंदौर के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के राजबाड़ा परिसर में होगी। सुशासन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की प्रतीक देवी अहिल्याबाई के सम्मान में यह बैठक मुख्यमंत्री डॉ।मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आयोजित की जा रही है। बैठक की प्रशासनिक तैयारियाँ प्रारंभ हो गयी हैं। कलेक्टर आशीष सिंह सब काम छोडकर कैबिनेट बैठक की तैयरियों में लगे है।कलेक्टर सिंह ने बैठक के दौरान आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं-मंत्रीगणों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आवास, परिवहन, यातायात, बैठक स्थल की तैयारी और भोजन आदि की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय पर और आयोजन की गरिमा के अनुरूप पूरी की जाएं ताकि किसी भी अतिथि को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। प्रशासन ने राजबाड़ा को भव्य रूप से सजाने, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने और शहर में यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। यह आयोजन न केवल देवी अहिल्याबाई के योगदान को श्रद्धांजलि है, बल्कि इंदौर के सांस्कृतिक गौरव को भी रेखांकित करेगा। मै इस बैठक के रत्तीभर खिलाफ नहीं हूं, क्योंकि मुझे पता है कि बीन कहाँ बजाना चाहिए और कहां नहीं।इस बैठक से इंदौर का, अहिल्या बाई का कुछ भला हो तो जरूर हो लेकिन सूबे के दूसरे अंचलैं की उपेक्षा भी नहीं की जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आज दिन ऊर्जा और सफलता से भरा रहेगा। महत्वाकांक्षी जातकों को सफलता मिलेगी।	**तुला** आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपको सफलता प्राप्त होगी।
वृषभ कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी या व्यापार में किसी व्यापारी से अनबन हो सकती है।	**वृश्चिक** ऑफिस में आपके अधिकार बढ़ने से सहकर्मियों को आपसे जलन होगी।
मिथुन आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा।	**धनु** दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। आसपास का माहौल काफी सकारात्मक रहेगा।
कर्क आज दिन शुभ है। ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है। जिससे तरक्की के योग बन रहे हैं।	**मकर** तरक्की होगी और आपके घर में अचानक से किसी मेहमान के आने से खर्च बढ़ सकता है।
सिंह दिन भाग्यशाली रहेगा। चल रहे कार्यों में सावधानी बरतें। आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।	**कुंभ** आज करियर में लाभ होगा। किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी।
कन्या लोगों को लाभ होगा और आपक लिए उत्तम संपत्ति के योग बन रहे हैं। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।	**मीन** नए करियर शुरू करने वालों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

विशेष

चीन और अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से पल्ला झाडा

पाकिस्तान ने कहा था, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना की जांच चीन और रूस करे। चीन ने पाकिस्तान को अपना मित्र बताते हुए निष्पक्ष जांच की जरूरत बताई। लेकिन खुद पल्ला झाड़ लिया। इसी तरह से अमेरिका ने दोनों देशों को संदेश दिया है। वह अपना विवाद आपसी बातचीत से सुलझाएं। ताकि एशिया में शांति बनी रहे। इसे कहते हैं,मुसीबत के समय ही सच्चे दोस्त की पहचान होती है।भारत और पाकिस्तान को समझ जाना चाहिए।उनका सच्चा दोस्त कौन है। वैसे भी दो बिल्लियों की लड़ाई में बंदर का ही फायदा होता है।

भारतीय नौसेना के लिए राफेल

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं। हर आपदा के साथ अवसर भी साथ आता है। जम्मू कश्मीर में हुई पहलगाम की घटना के बाद युद्ध की आपदा सामने दिख रही है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार ने भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल विमान का सौदा फ्रांस के साथ करने का हस्ताक्षर किया।फ्रांस की लॉटरी खुल गई। सरकार को भी सैन्य साजो सामान खरीदने के लिए एक मौका मिल गया। इस सौदे में सिंगल सीटर 22 विमान और 4 डबल सीटर विमान भी खरीदे जा रहे हैं। कहा जा रहा है, परमाणु बम गिराने की क्षमता इन विमानो में होगी। राफेल और विमानो की परीक्षा तो युद्ध के समय होगी। आपदा में जिन्हें अवसर मिलना था, उन्हें तो मिल ही गया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1540: तुर्की और वेनिस के बीच शांति संधि हुई. 1591: फ्रांस और स्पेन के बीच संधि हुई, जिसके तहत स्पेन ने तमाम विजित क्षेत्रों को लौटा दिया. 1595: आयरलैंड में विद्रोह का दमन करने के लिए इंग्लैंड ने सर जान बौरिस को भेजा. 1799: मैसूर के टीपू सुल्तान श्रीरंगपट्टणम की लड़ाई में मारे गये. 1814: फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट निर्वासित जीवन बिताने गए. 1854: भारत में पहला डाक टिकट जारी. 1939: जापानी बमबारी से चुंगफिंग में सैकड़ों लोग हताहत हुए. 1980: कोयला खान श्रमिक दिवस का पहला आयोजन किया गया. 1987: लेबनान के प्रधानमंत्री रशीद करामी ने इस्तीफा दिया. 1988: इराकी विमानों की इरानी तेल शोधक व पेट्रो रसायन संयंत्र पर बमबारी. 1990: लावटिया की संसद ने सोवियत संघ से स्वतंत्र होने की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

4 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरु (२)	सूर्य	राहु बुध शुक्र शनि (१२)	
मंगल चंद्र (४)	१	१०	
केतु (६)			

रविवार 2025 वर्ष का 124 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1946
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि सप्तमी 07.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 12.54 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 00.42 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 07.19 बजे तदनन्तर विष्टि 19.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 59'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872334
जूलियन दिन 2460799.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद तारीख 05
विशेष भानु सप्तमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.03 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.17 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.33 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.45 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.56 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.10 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.26 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.31 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	कुंभ	01.18 बजे से
		मीन	02.51 बजे से
		मेष	04.21 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

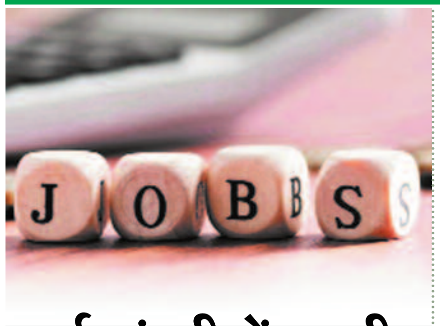

नई कंपनी में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए अपनाएं ये मजेदार तरीके

नई कंपनी में शुरुआत में नौकरी पक्की करने के लिए आप चाहे तो कुछ तरीके को अपना सकती हैं। इससे आपका लोगों के साथ बांडिग स्ट्रांग हो जाएगा।

नई कंपनी में नौकरी शुरू करना इतना आसान नहीं होता है। शुरुआत में आप किसी को नहीं जानते हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपकी दोस्ती भी नहीं हो पाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी नई नौकरी में उन्हें शुरुआत में किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े। शुरुआती कुछ हफ्ते या महीने ही यह तय करते हैं कि आप कंपनी के लिए सही च्वाइस है या नहीं। ऐसे में शुरुआत के 6 महीने में ही आपका मेनेजर यह जान जाता है कि आपको आगे रखना है या नहीं। चलिए जानते हैं नौकरी पक्की करना का आसान तरीका।

पहले इंप्रेशन को बनाएं मजबूत

आपने यह तो सुना ही होगा कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। ऐसे में आपको शुरुआत में अपने काम पर काफी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपका काम शुरुआत में अच्छा होगा तो आपको आगे जाकर ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

सहकर्मियों से दोस्ती करें

नई नौकरी में आपको तुरंत अपने सहकर्मियों के साथ दोस्ती कर लेनी चाहिए। अगर आप सहकर्मियों के साथ अच्छा बांड शेयर करेंगे तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। आपको कुछ समय नहीं आ रहा है तो आपको अपने सहकर्मियों की मदद लेनी चाहिए। ध्यान रखें कि शुरुआत में आपको किसी के साथ बदतमीजी नहीं करनी है।

फीडबैक को समझें

शुरुआत में आपके काम को लेकर आपको फीडबैक दिया जाता है। इससे आपको गंभीरता से लेना है और अपने काम को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। ऐसे में आपको मिले हुए फीडबैक को समझना चाहिए और उसी के अनुसार आगे का काम करना चाहिए।

किसी भी संगठन की इमेज को दर्शाती है फ्रंट ऑफिस मैनेजर की भूमिका

फ्रंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फ्रंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फ्रंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फ्रंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फ्रंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फ्रंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फ्रंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फ्रंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फ्रंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुईं। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

एक्सपर्ट से जानें कैसे चुनें अपने लिए सही करियर

करियर के बारे में सोचकर आप भी परेशान हो जाते होंगे? क्या करें और क्या नहीं, कुछ समझ नहीं आता होगा? एक्सपर्ट कहते हैं पहले खुद को जानना है ज्यादा जरूरी उसके बाद ही चुन पाएंगे खुद के लिए बेहतर करियर।

जब मैं छोटी थी और कोई पूछता था कि मुझे क्या बनना है, तो मैं कहती थी डॉक्टर। फिर बड़ी हुई, लिखने की ओर रुचि बढ़ने लगी तो सोचा इसी फील्ड में कुछ किया जाए। बस, थोड़ा इधर-उधर होने के बाद मैंने अपने लिए एक राह चुन ली। हममें से अधिकांश युवा कभी-कभी तय नहीं कर पाते कि आखिर हम करना क्या चाहते हैं। कुछ जो अपने लिए करियर चुन लेते हैं, उन्हें भी यह दुविधा रहती है कि क्या वे सही दिशा में हैं। किसी भी करियर को चुनने से पहले आपका नजरिया कुछ चीजों के लेकर एकदम साफ होना चाहिए।

अपने बारे में जानें

हम लोग कई बार अपनी यूनीकनेस, कमजोरियों और प्रतिभाओं से अनजान रहते हैं। अपने सही करियर को चुनने के लिए जरूरी है खुद के बारे में जानना। अपना आत्म-मूल्यांकन कीजिए और अपनी स्ट्रेंथ को पहचानें, जहां आप की कमी रह जाती है, उस एरिया को पहचानें। आत्म खोज की यह यात्रा इंटरनल और पर्सनल होती है। एक लाइफ कोच आपको आपके कौशल को तलाशने में मदद कर सकता है। इसलिए किसी लाइफ कोच की भी मदद ली जा सकती है। जब आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है। आपका फोर्टे क्या है, तो आपके लिए करियर चुनना भी मुश्किल नहीं होगा।

जो भी हो, सब लिखें

अपने करियर को प्लान करें और उसे उसी तरह आगे बढाएं। उस प्लान को ही अपनी सफलता की सड़क समझकर उस पर चल पड़ें। अपने छोटे और बड़े दोनों गोल्स को लिखें और जानने कि कोशिश करें कि आपके लिए क्या बेहतर है। खुद से सवाल करें कि कैसे आप एक गोल से दूसरे गोल तक पहुंचेंगी। क्या आपके लक्ष्यों से आपको खुशी मिलेगी। ऐसे कुछ सावलों को लिखें और उनका मूल्यांकन करें।

मेहनत करें और आगे बढ़ें

इससे मतलब नहीं है कि आपने कोई छोटी कंपनी स्टार्ट की है या कुछ नया काम शुरू किया है। आपको कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी। उत्साह के साथ ही दृढ़-संकल्प भी बहुत जरूरी है और यही आपको आगे के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करेंगे। अगर कल आप कोई करियर चेंज भी करें तो आपका जुनून ही आपके दृष्टिकोण को अधिक सकारात्मक और व्यावहारिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। आप अपने काम को जितने प्यार से करेंगी उतना ही सफलता के करीब पहुंचेंगी।

डू नॉट गिव अप

बस यही फेज आपको हमेशा याद रखना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको चीजें सीखनी है और आगे बढ़ना है। ध्यान रखें कि सारी ताकत आपके अंदर ही होती है। अगर यह आपने समझ लिया तो आप हर कठिनाई को पार कर सकती हैं। इस बात को समझें कि आप जीवन में जो भी हासिल करना चाहें, उसके बीच परेशानियां आएंगी हीं, मगर आपको हार नहीं माननी है। ऐसी स्थिति में कमर कस लें, मजबूत बने रहें और आगे लड़ें। प्रत्येक दिन को वैसे ही लें जैसे वह आता है। सर्वाइवल स्किल्स और अनुभवों से सीखें और इसे अपना अंतिम लक्ष्य बना लें।

सकारात्मक रहें

हमें कभी भी सकारात्मक ऊर्जा को कम नहीं आंकना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकते हैं, तो आप उसी तरह से सोचेंगी और वह आपके मन में बैठ जाएगा, जिससे यह अधिक संभावना होगी कि आप वो काम नहीं कर सकें। आपके इरादे आपकी वास्तविकता का निर्माण करते हैं, इसलिए अपने आप से ईमानदार होकर शुरुआत करें और यह पता लगाएं कि वह क्या है जो आपको सच्ची खुशी देता है। यह समझे कि अपने सपने को हकीकत में बदलना रातोंरात नहीं होगा, बल्कि इसके लिए इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.983 अरब डॉलर बढ़कर 688.129 अरब डॉलर पर

आरबीआई के आंकड़े जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 25 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.983 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि के साथ लगभग 688.129 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार इसके आंकड़े जारी किए। आरबीआई के अनुसार, लगातार आठवें हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि देखी गई। पिछले सप्ताह की बात करें तो यह बढ़कर 8.31 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़त के साथ 686.145

अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंचा था। पिछले साल सितंबर के अंत में यह भंडार 704.885 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था।
आंकड़ों के अनुसार 25 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति, जो भंडार का बड़ा हिस्सा है। यह लगभग 2.168 अरब डॉलर बढ़कर 580.633 अरब डॉलर हो गई। विदेशी भंडार में रखे जाने वाले अमेरिकी इकाइयों जैसे यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य में बदलाव का असर भी शामिल है। देश का स्वर्ण भंडार इस हफ्ते 207 अरब डॉलर बढ़कर 84.365 अरब डॉलर रहा। शीर्ष बैंक ने कहा कि आईएमएफ में भारत का विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 18.589 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.512 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

जीएसटी में एक बार की माफी योजना लाएगी सरकार, व्यापारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी को लेकर व्यापारी समुदाय में लगातार नाराजगी बनी रही है। व्यापारियों का कहना है कि बार-बार जीएसटी भरना उनके लिए एक कठिन काम हो गया है और इससे उनके कामकाज प्रभावित होते हैं। साथ ही समझने में कमी के चलते कई बार व्यापारियों को हर्जाना भी भुगतना पड़ता है। लेकिन इस बार जीएसटी को लेकर ऐसी खबर आई है जिसका पूरा व्यापारी समुदाय स्वागत करेगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने

जीएसटी के पुराने पड़े विवादित मामलों को सुलझाने के लिए एक बार जीएसटी माफी योजना लाएगी। इसके अंतर्गत व्यापारी जीएसटी के पुराने विवादों का निबटारा कर सकेंगे और नए तरीके से जीएसटी भरने की शुरुआत कर सकेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक कार्यक्रम में कहा कि जीएसटी को लेकर व्यापारियों की बड़ी शिकायतें रही हैं। लेकिन सरकार व्यापारियों का सहयोग करते हुए इसका उचित समाधान पेश करने की कोशिश करेगी। सबसे पहले जीएसटी के पुराने मामलों के निबटारे के लिए एक मुश्त जीएसटी माफी योजना लागू की जाएगी। इसके बाद व्यापारी नए तरीके से टैक्स का आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वेयरहाउसिंग एवं इंडस्ट्रियल पालिसी शीघ्र रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लेकर आएगी।

भारत ने बना दिया रिकॉर्ड...

825 अरब डॉलर पहुंच गया देश का कुल निर्यात, पाकिस्तान से 23 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बड़ी खबर दी। भारत का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2025 (एफवाय25) में 824.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारत का यह निर्यात पाकिस्तान के निर्यात के मुकाबले 23 गुने से ज्यादा है। पाकिस्तान का साल 2023 में कुल निर्यात 35.8 अरब डॉलर था।

वहीं भारत के सर्विस एक्सपोर्ट ने एक नया रेकॉर्ड बनाया है। यह 387.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। एफवाय24 के मुकाबले इसमें 13.6त्न की वृद्धि हुई है। एफवाय24 में यह आंकड़ा 341.1 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2025 में सर्विस एक्सपोर्ट 35.6 अरब डॉलर रहा। पिछले साल मार्च के मुकाबले इसमें 18.6त्न की बढ़ोतरी हुई है। मार्च

2024 में यह 30 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर माल निर्यात 374.1 अरब डॉलर रहा। यह भी एक रेकॉर्ड है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6त्न की बढ़ोतरी हुई है। एफवाय24 में यह 352.9 अरब डॉलर था। यह पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर सबसे ज्यादा सालाना माल निर्यात है।

वैश्विक चुनौती में भी किया कमाल-वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि पिछला वित्तीय वर्ष दुनिया भर में हो रही घटनाओं के कारण मुश्किल था। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, माल निर्यात और कुल निर्यात 2024-25 में उच्चतम आंकड़े तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि भारत ने सबसे ज्यादा निर्यात किया।

माल व्यापार घाटे भी बढ़ा

वित्त वर्ष 25 में भारत का माल व्यापार घाटा बढ़कर 282.82 अरब डॉलर हो गया। एफवाय24 में यह 241.14 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा का मतलब है कि भारत ने जितना सामान बेचा, उससे ज्यादा खरीदा।

आईएमएफ और वैश्विक एजेंसियों से पाकिस्तान की फंडिंग पर फिर से सोचने को कहेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत आईएमएफ समेत वैश्विक बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड और लोन पर फिर से विचार करने के लिए कहेगा। सरकार से जुड़े सूत्रों ने यह जनकारी दी है। पिछले महीने पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से घेरना चाहता है। हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। एक सरकारी सूत्र ने कहा, हम सभी बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए जाने वाले लोन और सहायता की समीक्षा करने के लिए कहेंगे। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड विस्तारित वित्तपोषण सुविधा की पहली समीक्षा के लिए 9 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों से मिलने वाला है। आईएमएफ बोर्ड अपने जलवायु परिवर्तन ऋण कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के लिए 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नई व्यवस्था का मूल्यांकन करेगा।

यह मौजूदा 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज का भी मूल्यांकन करेगा। 31 दिसंबर, 2024 तक, एशियाई विकास बैंक ने पाकिस्तान को 764 सार्वजनिक क्षेत्र के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसकी कुल कीमत 43.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। पाकिस्तान में एडीबी के मौजूदा सॉवरेन पोर्टफोलियो में 9.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 53 ऋण और 3 अनुदान शामिल हैं। एडीबी बाढ़ की आशंका वाले लगभग 900 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने के लिए खैबर पख्तूनख्वा ग्रामीण सड़क विकास परियोजना के लिए 320 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण देने की प्रतिबद्धता जताई है। विश्व बैंक ने नकदी संकट से जूझ रहे देश पाकिस्तान के लिए जनवरी 2025 में 20 अरब डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दी थी।

मस्क की कंपनी स्टारलिंक का पाकिस्तान-बांग्लादेश कनेक्शन, भारत ने मांग ली कामकाज की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस, स्टारलिंक जांच के घेरे में है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार ने स्टारलिंक से पाकिस्तान और बांग्लादेश में उसके कामकाज के बारे में जानकारी मांगी है। सरकार यह जानना चाहती है कि कंपनी इन देशों में कैसे काम करेगी। यह सख्ती तब हो रही है जब भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हो गए हैं। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। इसमें सिंधु जल संधि को रोकना, अटारी बॉर्डर को बंद करना आदि शामिल है। पाकिस्तान ने भी जवाब में अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया और व्यापार रोक दिया।

सुरक्षा चिंता को लेकर सामने आई बात- इन तनावों के बीच भारत सरकार को स्टारलिंक के क्षेत्रीय कामकाज को लेकर चिंता है। दूरसंचार विभाग के एक अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि अभी भी कुछ सुरक्षा चिंताएं हैं। भारत में कम्युनिकेशन सर्विस देने के लिए, कई तकनीकी नियमों को पूरा करना होता है। यानी भारत सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि स्टारलिंक भारत की सुरक्षा के लिए खतरा न बने।

भारत में भी तैयारी

भारत में स्टारलिंक को नवंबर 2022 से मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन हाल ही में कंपनी ने यहां कुछ समझौते किए हैं। स्टारलिंक ने रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के साथ डील की है। माना जा रहा है कि इससे स्टारलिंक जल्द ही भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू कर पाएगी।

सोने में आई सात हजार रुपए तक की गिरावट?

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ दिनों से सोने के दाम में जारी तेजी फिलहाल थमती हुई नजर आ रहा रही है। बीते कुछ दिनों में सोना अपने रिकॉर्ड स्तर एक लाख रुपए से 7 हजार गिरकर 93 हजार प्रति 10 ग्राम तक आ गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 407 रुपए गिरकर 93,954 रुपए तक आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,361 रुपए थी। जबकि अब एक किलो चांदी की कीमत 94,125 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों पर नजर डालें तो विदेशों में मजबूती के रुख के बीच आभूषण विक्रेताओं की ताजा लिवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 1,080 रुपये बढ़कर 96,800 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 2,830 रुपए गिरकर 95,720 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 180 रुपए बढ़कर 96,350 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,930 रुपए घटकर 96,170 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया था। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में भी तेजी दिखी।

एक किलोग्राम चांदी का भाव शुक्रवार को 1600 रुपये चढ़कर 97,100 रुपये पर पहुंच गया। पिछले सत्र में चांदी 95,500 रुपये के भाव पर कारोबार करती दिखी।

सोने में आगे क्या हो सकता है?

सोने की कीमतों में आई इस गिरावट के पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। पहला, डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए का मजबूत होना। शुक्रवार को रुपया 40 पैसे की मजबूती के साथ 84 रुपए प्रति डॉलर से नीचे पहुंच गया, जो पिछले सात महीनों में सबसे मजबूत स्तर है। दूसरा कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी है। फिलहाल वैश्विक बाजार में सोना 3,265 डॉलर प्रति औंस के करीब बना हुआ है, जबकि 22 अप्रैल को यह 3,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया था। इस गिरावट से आम लोगों के लिए सोना खरीदने का अच्छा मौका बन सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है और निवेश से पहले सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

पंजाब नेशनल बैंक ने एफडी पर फिर से घटाई ब्याज दर

नईदिल्ली, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक ने फिर से अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। यह बदलाव 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर किया गया है। बैंक ने अप्रैल 2025 में भी ऐसा ही बदलाव किया था। इस बार, बैंक ने कुछ खास समय वाली एफडी पर ब्याज दरों को 25 बेसिस पॉइंट्स तक घटा दिया है। नई दरें 1 मई, 2025 से लागू हो गई हैं।

ब्याज दरों में बदलाव के बाद पंजाब नेशनल बैंक आम नागरिकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की एफडी पर 3.50 प्रतिशत से 7.10 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज दर 390 दिनों की एफडी पर मिल रही है। यह 7.10 प्रतिशत है।

किसके लिए कितनी दर?

पीएनबी ने आम नागरिकों के लिए 3 करोड़ रुपये से कम की जमा पर ब्याज दरें

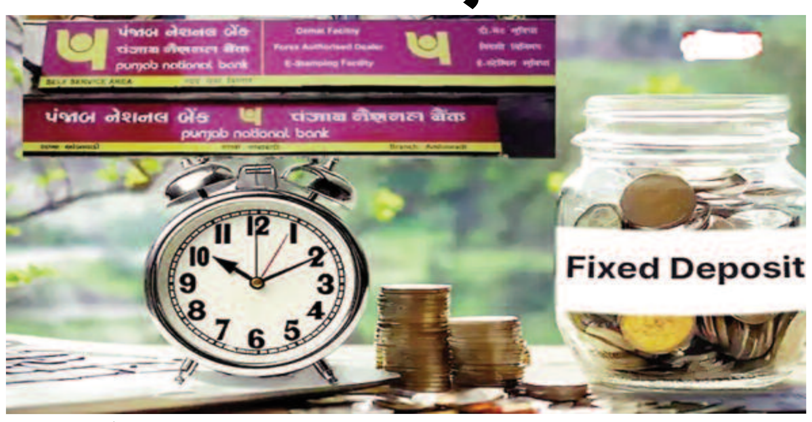

कम की गई हैं। 180 से 270 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह, 271 से 299 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दी गई है। 303 दिनों की एफडी पर ब्याज दर 6.4 प्रतिशत से घटाकर 6.15 प्रतिशत कर दी गई है। 304 दिनों से लेकर 1 साल से कम की एफडी पर ब्याज दर अब 6.5 प्रतिशत की जगह 6.25 प्रतिशत होगी। 1 साल की एफडी पर ब्याज दर 6.8 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दी गई है।

सीनियर सिटिजंस के दर

60 साल से ऊपर और 80 साल से कम उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को 5 साल तक की एफडी पर 50 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा ब्याज मिलेगा। 5 साल से ज्यादा की एफडी पर उन्हें 80 बेसिस पॉइंट ज्यादा ब्याज मिलेगा। यह नियम 3 करोड़ रुपये से कम की जमा पर लागू होगा। वरिष्ठ नागरिकों को अब 4.00 प्रतिशत से 7.60 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा।

वहीं 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के सुपर सीनियर नागरिकों को सभी तरह की एफडी पर 80 बेसिस पॉइंट ज्यादा ब्याज मिलेगा। बदलाव के बाद, सुपर सीनियर नागरिकों को 4.30 प्रतिशत से 7.90 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा।

इस बैंक ने भी किया बदलाव

बंधन बैंक ने भी 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। अब यह बैंक आम नागरिकों को 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की एफडी पर 3 प्रतिशत से 7.75 प्रतिशत तक ब्याज देगा। वरिष्ठ नागरिकों को 3.75 प्रतिशत से 8.25 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। सबसे ज्यादा ब्याज दर, जो कि 7.75 प्रतिशत और 8.25 प्रतिशत है, 1 साल की एफडी पर मिल रही है। नई दरें 1 मई, 2025 से लागू हो गई हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि [illegible] उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्तूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है। यह मांग में मजबूती की उम्मीदों से प्रेरित है।

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

सर्वे के मुताबिक, उत्पादन के मोर्चे पर सुधार में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक नए व्यवसाय में तेज वृद्धि रही। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिला। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में घरेलू विनिर्माण कंपनियों को विदेश से मिलने वाला नया ऑर्डर 14 वर्ष में सबसे अधिक तेजी से बढ़ा। अफ्रीका, एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से घरेलू कंपनियों को सबसे ज्यादा ऑर्डर मिले।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

100 पीएमएलए अदालतें फिर भी मामलों में हो रही देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशायल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था।

जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचैट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है।

ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती। इसमें व्यवस्थागत व प्रक्रियात्मक बाधाएं आ रही हैं। कई अदालतें अन्य कानूनों के तहत मामलों के बोझ से दबी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अक्सर अंतरिम आवेदन, रिट याचिका और जमानत के मामले दायर होने से मुकदमे बाधित होते हैं। इनमें से कुछ मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं, जिससे पीएमएलए के तहत मुकदमों की निरंतरता और शीघ्र निपटान प्रभावित होता है।

ईडी की सजा दर 93 प्रतिशत

इस बीच बीते बृहस्पतिवार को ईडी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि एजेंसी की सजा दर 93.6 प्रतिशत है। क्योंकि अब तक अदालतों की ओर से तय किए गए 47 मामलों में से केवल तीन मामलों में ही आरोपी बरी हुआ है। एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई कई जांचें बहुत लंबे समय से लंबित थीं, लेकिन इस साल हमारा ध्यान जांच पूरी करने और आखिरी आरोपपत्र तेजी से दाखिल करने के प्रयासों पर है।

पाकिस्तान होगा एशिया कप से बाहर!

पहलगाम हमले के बाद सुनील गावस्कर का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी. इस हमले के बाद देश में गम और गुस्से का माहौल है. आतंकियों और उसके आकाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग हो रही है. केंद्र सरकार भी एक्शन मोड में है और उसने पड़ोसी मुल्क (पाकिस्तान) के खिलाफ बड़े फैसले लिए हैं. पहलगाम हमले का असर भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट रिश्तों पर भी पड़ सकता है.एशिया कप को लेकर गावस्कर का बड़ा बयान भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की तत्काल चिंता एशिया कप होगी जो सितंबर में भारत की मेजबानी में होने वाला है. अब इस एशिया कप को लेकर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान दिया है. गावस्कर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर ऐसी ही परिस्थितियां रहीं तो पाकिस्तान का एशिया कप में भाग लेना मुश्किल होगा. गावस्कर ने ये भी कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते एशियन क्रिकेट काउंसिल आने वाले महीनों में भंग हो सकती है.

सुनील गावस्कर ने स्पोर्ट्स टुडे को दिए इंटरव्यू में कहा, बीसीसीआई का रुख हमेशा से वही रहा है, जो भारत सरकार उससे करने को कहती है. मैं नहीं समझता कि एशिया कप के मामले में इसमें कोई बदलाव होगा. एशिया कप के इस सीजन के लिए भारत मेजबान है. यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या चीजें बिल्कुल बदली हैं, लेकिन नहीं बदलीं तो मैं पाकिस्तान को एशिया कप का हिस्सा बनते नहीं देख सकता.

उन्होंने कहा, मुझे नहीं मालूम कि एशिया कप कैसे होगा. हो सकता है कि एशियन क्रिकेट काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तीन या चार देशों का टूर्नामेंट कराया जाए, जिसमें हांगकांग या यूएई को आमंत्रित किया जाए. लेकिन मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ महीनों में क्या होता है.

सुनील गावस्कर कहते हैं, ऐसा हो सकता है कि भारत ही एसीसी से हटने का फैसला कर ले. हम कह सकते हैं कि हम बांग्लादेश या श्रीलंका में मल्टी नेशन टूर्नामेंट आयोजित करने जा रहे हैं. अगर दो देश एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो एक-दूसरे के साथ खेलना थोड़ा मुश्किल है.

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस बात की पुष्टि की थी कि बोर्ड भारत सरकार के फैसले का पालन करेगा. यदि एशिया कप में पाकिस्तान के भाग लेने पर भी बात बनती है, तो ये टूर्नामेंट पूरी तरह से न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा, जिसमें दुबई और श्रीलंका संभावित स्थल हैं.

पिछली बार भारत ने जीता था खिताबएशिया कप का आखिरी संस्करण साल 2023 में वनडे वर्ल्ड कप से पहले हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला गया था. इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था और दोनों टीमें मेगा इवेंट में दो बार भिड़ीं, एक बार लीग चरण में और फिर सुपर 4 में. हालांकि दूसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और संयोग से पाकिस्तान फाइनल में पहुंचने में असफल रहा. इसके बाद भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिलको पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि भारत और पाकिस्तान को भविष्य में आईसीसी के ग्लोबल इवेंट में एक ही ग्रुप में न रखा जाए. कुल मिलाकर अब कम से कम आईसीसी इवेंट के ग्रुप चरणों में भारत-पाकिस्तान के बीच आमना-सामना नहीं चाहता है.हालांकि, दोनों टीमें आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेती नजर आएंगी, जहां पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया था. इस टूर्नामेंट में त्येक टीम राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में सभी अन्य टीमों के खिलाफ खेलेंगी. आईसीसी, पीसीबी और बीसीसीआई के बीच एक पुराने समझौते के अनुसार, पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगा. महिला वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में होना 26 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होना है. जहां भारत की ओर पाकिस्तान के लिए न्यूट्रल वेन्यू को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है. दूसरी ओर आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप अगले साल होगा. तब भारत और श्रीलंका फरवरी और मार्च के बीच टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे.

गुजरात टाइटन्स से हारकर भी प्लेऑफ की रेस में कायम है सनराइजर्स हैदराबाद...

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है. सनराइजर्स हैदराबाद को अब गुजरात टाइटन्स के हाथों 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा. 2 मई (शुक्रवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिए 225 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए वो छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी. मौजूदा सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की ये 10 मैचों में सातवीं हार रही. सनराइजर्स हैदराबाद के सिर्फ 6 अंक हैं और वो दस टीमों की अंकतालिका में नौवें पायदान पर है. सनराइजर्स हैदराबाद को लीग स्टेज में 4 मुकाबले और खेलने हैं. अब फैन्स के मन में ये सवाल जरूर होगा कि सनराइजर्स हैदराबाद क्या अब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है? तो इसका जवाब है- हां. लेकिन इसके लिए सनराइजर्स हैदराबाद को किस्मत का भी सहारा चाहिए...

आमतौर पर प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए कम से कम 16 अंक चाहिए होते हैं. लेकिन कभी-कभी 14 अंकों पर भी टीमें क्वालिफाई कर जाती हैं, अगर उनका नेट रन रेट अच्छा हो. जैसे कि पिछले आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था. पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुरुआती आठ मैचों में से केवल एक ही जीत पाई थी. लेकिन, उसने अपने आखिरी छह मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाई.सनराइजर्स हैदराबाद को 14 अंकों तक पहुंचने के लिए बाकी के चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे, ताकि उसका नेट रनरेट सुधर सके. वर्तमान में सनराइजर्स हैदराबाद का नेटरन रेट -1.192 है. हालांकि ये भी शायद पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि उसका भाग्य अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर करेगा.

भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले क्रिकेटर पर लगा बैन, तो भड़क उठीं राजस्थान की राजकुमारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का विवादों से पुराना नाता रहा है. वह एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने एस श्रीसंत पर तीन साल के लिए बैन कर दिया है. वो क्रिकेट से जुड़ा कोई भी काम नहीं कर सकेंगे. एस श्रीसंत के खिलाफ ये एक्शन केसीए की आलोचना करने और एसोसिएशन पर आरोप लगाने के चलते लिया गया है. इस मामले पर अब उनकी पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी भड़ास निकाली है.

दरअसल, श्रीसंत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन के समर्थन में बड़ा बयान देते हुए केरल क्रिकेट एसोसिएशन का आलोचना की थी. तब सैमसन को केरल की विजय हजारे ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया था. इसके बाद उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी. ऐसे में भारतीय टीम से संजू सैमसन के बाहर रहने को लेकर श्रीसंत ने केसीए पर निशाना साधा था. यहीं से इस विवाद की शुरुआत हुई थी. बता दें, श्रीसंत केरल प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी कोल्लम एरीज के सह मालिक भी हैं. केसीए ने श्रीसंत पर एक्शन लेते हुए कहा, 'विवादित टिप्पणी के बाद केसीए ने केरल प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी कोल्लम एरीज के मालिक श्रीसंत समेत दूसरी टीमों, एलेप्पी टीम लीड कंटेंट क्रिएटर साई कृष्णन और एलेप्पी रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया था. लेकिन श्रीसंत ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया. साथ ही उन्होंने फ्रेंचाइजी के मालिक के तौर पर कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों का उल्लंघन भी किया, जिसके बाद उन पर बैन लगाया था. एस श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी ने इस घटना पर अब एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है. जो जयपुर राजघराने की राजकुमारी हैं. उन्होंने लिखा, 'कुछ क्रिकेट संघ वास्तव में खड़े होकर अभिनंदन के पात्र हैं. क्रिकेट के लिए नहीं, बल्कि नाटक, अहंकार प्रबंधन और ऐतिहासिक खोज में महारत हासिल करने के लिए. आप कुछ ऐसा कहते हैं जो उन्हें पसंद नहीं है- बूम! बैन, मानहानि और उनकी ट्रॉफी सूची से भी लंबी प्रेस रिलीज. इस दर पर, शायद उन्हें इसके बजाए एक अभिनय एकेडमी शुरू करनी चाहिए. अगला बड़ा निर्यात- क्रिकेट की राजनीति डेली सोप से मिलती है!' भुवनेश्वरी कुमारी का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

श्रीसंत का विवादों से पुराना नाता

ऐसा पहली बार नहीं है जब श्रीसंत के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया है. इससे पहले वह आईपीएल 2013 स्पॉट-फिक्सिंग में भी फंस चुके हैं. इस मामले में श्रीसंत की गिरफ्तारी भी हुई थी और फिर आजीवन बैन लगा दिया था. हालांकि, बाद में इस बैन को 7 साल का कर दिया था. इससे पहले साल 2009 में कथित तौर पर क्रिकेट फील्ड में अनुशासनहीनता को लेकर भी उन्हें कड़ी चेतावनी दी थी. वहीं, 2017 में एस श्रीसंत बेंगलुरु-दिल्ली फ्लाइट के दौरान फ्लाइट अटेंडेंट्स से भिड़ गए थे, तभी भी बड़ा विवाद देखने को मिला था.

नेमार को 2026 विश्व कप तक अपने साथ बनाए रखना चाहता है सैंटोस

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। सैंटोस क्लब नेमार का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप तक बढ़ाना चाहता है, भले ही नेमार इस समय चोटों से जूझ रहे हों। सैंटोस के प्रेसिडेंट मार्सेलो टक्सेइरा ने इसकी जानकारी दी। नेमार ने इस साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में वापसी की थी। वह यूरोप और सऊदी अरब में खेल चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने छह महीने का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। मार्सेलो टक्सेइरा ने कहा, हम तकनीकी रूप से यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि नेमार की रिकवरी और मैदान पर उनकी मौजूदगी को किस तरह इस तरह बदला जाए कि वह अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएं और अगले साल के वर्ल्ड कप तक टीम में बने रहें।नेमार पिछले साल अक्टूबर में घुटने की गंभीर चोट से वापसी के बाद से पैर की मांसपेशियों की कई समस्याओं से परेशान हैं। उन्होंने सैंटोस के लिए अब तक सिर्फ 9 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 3 गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं।टक्सेइरा ने कहा, जब हमने नेमार को वापस लिया, हमें पता था कि वह एक गंभीर चोट से उबर रहे हैं। इसलिए हमने अपनी पूरी टीम और जरूरी व्यवस्था उनके लिए उपलब्ध कराई ताकि वह पूरी तरह ठीक हो सकें। नेमार यहां खुश हैं, यह उनका घर है।फिलहाल सैंटोस क्लब ब्राजील की सीरी ए लीग में 20 टीमों में 19वें स्थान पर है। उसने छह मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल किए हैं। हाल ही में क्लब ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया कोच नियुक्त किया है। उन्होंने पेड्रो कैक्सीन्हा की जगह ली है।

धर्मशाला में सुपरजायंट्स ने बहाया पसीना, पंजाब किंग्स ने की नेट प्रैक्टिस

धर्मशाला, एजेंसी। टीम के खिलाड़ियों ने कोच जस्टिन लेंगर और कप्तान ऋषभ पंत की मौजूदगी में गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इसके अलावा पंजाब के सिर्फ दो से तीन खिलाड़ियों ने ही बल्लेबाजी का अभ्यास किया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 4 मई को पंजाब के साथ होने वाले आईपीएल मैच के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम ने अभ्यास कर खूब पसीना बहाया। टीम के खिलाड़ियों ने कोच जस्टिन लेंगर और कप्तान ऋषभ पंत की मौजूदगी में गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इसके अलावा पंजाब के सिर्फ दो से तीन खिलाड़ियों ने ही बल्लेबाजी का अभ्यास किया। टीम के खिलाड़ी मिचेल मार्श ने सबसे पहले बल्लेबाजी का अभ्यास किया। उन्हें गेंदबाज आवेश खान और आयुष बदोनी सहित कई गेंदबाजों ने गेंदबाजी की। टीम के मेंटर जहीर खान ने भी कप्तान ऋषभ पंत के साथ पंजाब को हराने के लिए स्टेडियम की पूरी जानकारी दी। मिशेल मार्श के बाद कप्तान पंत और अन्य आलराउंडर ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

इतने बैट तो विराट कोहली के पास भी नहीं... नीतीश राणा ने पकड़ी वैभव सूर्यवंशी की चतुराई

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल की उम्र में ही आईपीएल में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है. इसके बाद से ही वो लगातार चर्चा में बने हुए हैं. इस बीच सूर्यवंशी अपनी टीम के सीनियर खिलाड़ी नीतीश राणा से बैट मांगते हुए दिखे हैं. वो राणा के पूछने पर अपने बैट की संख्या छुपाने की कोशिश करते हैं, ताकि किसी तरह उन्हें एक बैट मिल जाए. लेकिन राणा उनकी चतुराई पकड़ लेते हैं. जैसे ही उन्हें सूर्यवंशी के पास मौजूद बल्लों की संख्या का पता चलता है, वो कहते हैं इतने बैट तो विराट कोहली के पास भी नहीं होंगे. बैट लेन-देन के दौरान दोनों के बीच हुई इस मजेदार बातचीत का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की रेस से राजस्थान रॉयल्स की टीम अब बाहर हो चुकी है. अब रविवार को उसे कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करना है. इसी बीच फ्रेंचाइजी की सोशल मीडिया पर वैभव सूर्यवंशी और नीतीश राणा का एक

वीडियो शेयर किया है, जिसमें बैट को लेकर बात चल रही है. इसके कैप्शन में लिखा है 'एक बिहारी, सब पे भारी.' इस वीडियो में राणा कहते हैं, मैं 5 बैट देता हूं तुझे. अगर उसका काउंट 14 से ऊपर गया नञ इसके जवाब में सूर्यवंशी कहते हैं, मुझे एक ही चाहिए. फिर राणा मजाक में कहते हैं, मेरा बैट है, मेरी मर्जी, मैं क्यों दूं? अब राणा 4 बैट देने के लिए तैयार होते हैं, लेकिन वैभव सिर्फ 1 बैट की मांग पर अड़े रहते हैं. इससे नीतीश अंदाजा लगाते हैं कि वैभव के पास 10-12 बैट हैं, लेकिन वैभव इससे इनकार करते हैं. फिर वो खुलासा करते हैं कि उनके पास 8 बैट हैं और कहते हैं मेरी उम्र से ज्यादा बैट्स हुए तो मैं अपना बैट जिसको आप बोलोगे उसको दे दूंगा.

नीतीश फिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, तेरे पास 10 बैट हैं? 10 बैट तो बहुत होते हैं, इतने तो विराट भैया के पास भी नहीं होते! इस पर वैभव ने कहा, आपके किट बैग में तो 15 हैं. वैभव की लगातार जिद पर नीतीश राणा बैट देने के लिए तैयार हो जाते हैं और कहते हैं कि रोमी सर से बोल, तेलेगांव में मेरा एक बैट टूटा था. थोड़ा सा कट लगा है, वो लेले. ये सुनते ही वैभव खुश हो जाते हैं और कहते हैं, एक बैट मिल गया थैंक यू. दोनों के बीच बैट को लेकर चल रही बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वैभव ने नीतीश राणा से बैट मांगी थी. लेकिन उनके पास पहले से ही बहुत सारे बल्ले होने की वजह से नितीश ने कुछ शर्त रख दी थी. अंत में उनकी जिद के सामने राणा को झुकना पड़ा.

वैभव की शानदार शुरुआत

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शानदार शुरुआत हुई है. वो 4 मैचो में 37 की औसत और 209 की स्ट्राइक रेट से 151 रन बना चुके हैं. इसमें उनकी तूफानी सेंचुरी भी शामिल है, जिसे उन्होंने महज 35 गेंदों पर ठोका था. ये आईपीएल इतिहास में किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतक है. यह क्रिस गेल के 2013 में बनाए गए 30 गेंदों के शतक के बाद दूसरे स्थान पर है. इसके अलावा सूर्यवंशी टी-20 क्रिकेट में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं. उन्होंने ये कारनामा सिर्फ 14 साल और 32 दिन की उम्र में किया है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने वेव्स समिट में पैनल चर्चा का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि यह मौका सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि बड़ी हस्तियों के साथ मंच साझा करना एक प्रेरणादायक अनुभव भी था।

वेव्स समिट में पैनल का हिस्सा बनना मेरे लिए यह गर्व की बात : करीना

बॉलीवुड की बेबो करीना ने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया। इस फोटो में वह प्रिटेंड ब्लू कलर की शिफॉन साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने यह लुक मुंबई में हो रहे वेव्स समिट 2025 के लिए लिया। उन्होंने कैप्शन में समिट को लेकर खास बातें लिखी। उन्होंने कैप्शन में लिखा- वेव्स समिट में पैनल डिस्कशन का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। अब भारत सिर्फ ग्लोबल एंटरटेनमेंट की बातचीत का हिस्सा नहीं है, बल्कि उसे आगे बढ़ा रहा है। भारत तेजी से ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक सुपरपावर बन रहा है और यह सिर्फ शुरुआत है उस रचनात्मक युग की, जो भविष्य को आकार देगा। बता दें कि गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पहले विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन किया था और भारतीय सिनेमा की 5 दिग्गज हस्तियों गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट भी लॉन्च किए थे। इसमें इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे शामिल हुए, जिनमें शाहरुख खान, आमिर खान, रजनीकांत, अक्षय कुमार, हेमा मालिनी, राशि खन्ना, मानुषी छिल्लर, वाणी कपूर, ऐश्वर्या राय बच्चन, एसएस राजामौली, चिरंजीवी, अनिल कपूर, आलिया भट्ट, म्यूजिक कंपोजर और गायक ए आर रहमान, फिल्म निर्माता जोया अख्तर और विक्की कौशल जैसे नाम शामिल हैं। यह समिट 1 से 4 मई तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में जारी है। इस समिट का मकसद मीडिया और मनोरंजन की क्षमता को बढ़ावा देना है। एक्ट्रेस की बात करें तो करीना ने अपने अब तक के करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन पहचान 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम से मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जब वी मेट, युवा, गोलमाल रिटर्न्स, 3 इडियट्स, गोलमाल 3, बॉडीगार्ड, सिंघम रिटर्न्स, बजरंगी भाईजान, तख्त, गुड न्यूज जैसी कई धमाकेदार फिल्में दीं।

प्रशंसक के साथ सेल्फी ना लेने पर ट्रोल हुए अल्लू अर्जुन, यूजर बोले- 'एटीट्यूड लेकर क्या होगा?'

अल्लू अर्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा गया कि अभिनेता अपने एक प्रशंसक को सेल्फी के लिए मना करते हुए नजर आए। इसके बाद से नेटिजन्स ने उनकी आलोचना करनी शुरू कर दी। अल्लू अर्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता अल्लू अर्जुन एक प्रशंसक के साथ सेल्फी लेने से इनकार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद यूजर्स ने उनके इस रवैये के लिए अभिनेता की आलोचना करनी शुरू कर दी।

प्रशंसक के साथ नहीं ली सेल्फी

दरअसल, शुक्रवार को अल्लू अर्जुन 'वेव्स 2025' में हिस्सा लेने के लिए मुंबई पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकले उनके एक प्रशंसक ने उनके सेल्फी के लिए अनुरोध किया। हालांकि, अभिनेता उसके साथ फोटो लेने के लिए नहीं रुके।

कियारा ने मेट गाला डेब्यू के लिए भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता को चुना

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और समकालीन सितारों में से एक, कियारा आडवाणी, 2025 मेट गाला में अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इस खास मौके पर वह पहने नजर आएंगी मशहूर भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता की विशेष रूप से तैयार की गई पोशाक। इस साल मेट गाला का थीम सुपरफाइन- टेलरिंग ब्लैक स्टाइल है, जो ब्लैक आइडेंटिटी की सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक गहराई को समर्पित है। इस मौके पर कियारा की उपस्थिति भारतीय कारीगरी और वैश्विक फैशन के संगम का प्रतीक बनेगी। इस साल की ड्रेस कोड टेलर्ड बाय यू एक व्यक्तिगत कहानी को सामने लाने का निमंत्रण है—और कियारा इसे अपने खास अंदाज़ में अपना रही हैं। फिलहाल अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही कियारा का रेड कार्पेट पर यह लुक सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि स्त्रीत्व, पहचान और बदलते प्रभाव की एक भव्य अभिव्यक्ति है। यह न केवल अभिनेत्री के लिए बल्कि भारतीय फैशन के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो वैश्विक मंचों पर अपनी जगह लगातार मजबूत कर रहा है। उनकी रचनात्मक साझेदार गौरव गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त है।

कमाल की पहल है वेव्स, दर्शक और कलाकार दोनों के लिए शानदार: अपारशक्ति खुराना

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के दूसरे दिन शुक्रवार को अभिनेता अपारशक्ति खुराना शामिल हुए। खुराना ने वेव्स को कमाल की पहल बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वेव्स दर्शकों और कलाकारों दोनों के लिए शानदार है। इवेंट में पहुंचे अभिनेता ने कहा, वेव्स में शामिल होकर मुझे काफी अच्छा लग रहा है। मैं देशवासियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुबारकबाद देने के साथ ही धन्यवाद भी देता हूं। कलाकार और दर्शक दोनों के लिए वेव्स शानदार है। उन्होंने कहा, इस मंच से सभी को मजबूती मिलेगी। कलाकार और सरकार को साथ मिलकर काम करना चाहिए, जिससे सभी को फायदा मिलता है। अभिनेता अनुपम खेर ने वेव्स को 'शानदार' बताया। वहीं, नागार्जुन का मानना है कि 'एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को ऐसे समिट की बहुत जरूरत है।' समिट में पहुंचे अभिनेता नागार्जुन ने कहा, मैं वेव्स समिट को लेकर बहुत खुश हूं और इसमें शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भारतीय फिल्म जगत और मीडिया को ऐसे मंच की जरूरत है। अब भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को हम पूरी दुनिया में ले जा सकते हैं। यह एक ऐसा मार्केट है, जहां लोग आकर हमारी फिल्में देख सकते हैं। वे देख सकते हैं कि हम क्या बेहतर और नया कर रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने वेव्स को ऐतिहासिक और शानदार बताया। उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक समिट का आयोजन मुंबई में चल रहा है, जिसमें 100 से भी ज्यादा देश शामिल हो रहे हैं। आज तरक्की कर, आगे बढ़ने का समय है। सहयोग का समय है, जब हम जापान, जर्मनी या दुनिया के अन्य हिस्सों से आए फिल्म निर्माता-निर्देशक के साथ काम करते हैं। भारत आज ऐसे इवेंट को आयोजित कर रहा है, जिसमें दुनिया भर के लोग जुट रहे हैं। इससे फिल्म इंडस्ट्री, लोकल एक्टर्स, थिएटर कलाकारों को आगे बढ़ने का नया और बड़ा मंच मिल रहा है। अनुपम खेर ने उद्योगपति नीता अंबानी और मुकेश अंबानी के जियो सेंटर की भी तारीफ की।

जायद खान ने ओडिशा के राष्ट्रीयय बिजनेस मेला में प्रेरणादायी महिला एंटरप्रेन्योर से मुलाकात की

अभिनेता ज़ायेद खान हाल ही में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर पहुँचे, जहाँ उन्होंने नेशनल वुमेन्स बिजनेस मेला 2.0 में भाग लिया। यह आयोजन महिला उद्यमियों और भारत के व्यापारिक परिदृश्य में उनके बढ़ते योगदान का उत्सव था। ज़ायेद ने ओडिशा की कई प्रेरणादायक महिला उपलब्धियों से बातचीत की और उनके परिश्रम व संकल्प की सराहना की। यह इस कार्यक्रम का दूसरा संस्करण था, जिसमें ओडिशा सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से 200 से अधिक महिला उद्यमियों ने हिस्सा लिया। इस मंच का उद्देश्य उनके व्यवसायों को प्रदर्शित करना, नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करना और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का समर्थन करना था। ज़ायेद खान ने अपने सोशल मीडिया पर महिला उद्यमियों की मेज़बानी और मेहनत की खूब प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, हैलो दोस्तों, ओडिशा के सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूँ, भुवनेश्वर आपका प्रेम और आतिथ्य शानदार था। ओडिशा की उन बॉस लेडीज़ के लिए मेरी गहरी प्रशंसा है जिनसे मुझे मिलने और बातचीत करने का सौभाग्य मिला। मैं इन युवतियों में एंटरप्रेन्योरशिप की भावना देखकर बहुत प्रभावित हुआ, वे बेहद प्रेरित और ऊर्जावान नज़र आईं। मुझे आप सभी के साथ हुई बातचीतों का बहुत आनंद मिला। ज़ायेद खान ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे महिला उद्यमियों द्वारा साझा की गई जुनून और संघर्ष की कहानियों से बेहद प्रभावित हुए। उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन में प्रोत्साहन और सराहना का एक खास रंग जोड़ा, जिसने महिलाओं की ताकत, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को उजागर किया।

संजीदा शेख बनीं बोर्न टू ड्राइव क्वीन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख एक बार फिर चर्चाओं में हैं। दरअसल, उन्होंने नई चमचमाती कार खरीदी है और इसकी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की है। तस्वीरों में वह गाड़ी चलाती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में संजीदा ब्लू कलर की कुर्ती में नजर आ रही हैं। उन्होंने बालों का बन बनाया हुआ है और कानों में सुंदर बालियां पहनी हुई हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा - बोर्न टू ड्राइव यानी ड्राइविंग के लिए ही पैदा हुई हूं।

एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो संजीदा ने 2005 में टीवी शो क्या होगा निम्मो का के जरिए एक्टिंग की शुरुआत की। इसमें निम्मो की भूमिका अदा की थी। इसके बाद वह 2007 के कयामत में वैंप के किरदार में नजर आईं। उन्हें लोगों ने काफी पसंद किया। वह इश्क का रंग सफेद, क्या दिल में है, गहराइयां, लव का है इंतजार, एक हसीना थी जैसे कई टीवी सीरियल का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कई रियलिटी शो भी किए, जिसमें नच बलिए, झलक दिखला जा, जरा नचके दिखा शामिल हैं। बता दें कि नच बलिए 3 में उन्होंने अपने पूर्व पति आमिर अली के साथ भाग लिया था और ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद वह 2008 में आमिर अली के साथ सीरियल क्या दिल में है में भी नजर आई थीं।

संजिदा ने अमिताभ बच्चन की फिल्म बागबान से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था।

संजोग का शूट खत्म होते ही नेहा शर्मा ने फैंस से पूछा दिलचस्प सवाल

मशहूर एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों हिमाचल प्रदेश में हैं। वह मनाली में अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म संजोग का शेड्यूल पूरा कर चुकी हैं। वह पहाड़ों की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रही हैं और सोशल मीडिया पर जमकर फोटोज शेयर कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने एक बार फिर अपने हिमाचल ट्रिप की तस्वीरें शेयर की और फैंस से दिलचस्प सवाल पूछा। उनका यह पोस्ट अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। नेहा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें शूटिंग के दौरान के मजेदार बीटीएस पल, बर्फ से ढके पहाड़ों की खूबसूरत वादियां और उनके होटल रूम से दिखने वाला शानदार नजारा शामिल है। वह फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद पूरी टीम के साथ जश्न मनाती भी नजर आईं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- आप किस टीम के साथ हैं, पहाड़ों में खाई जाने वाली मैगी या गरमा-गरम चाय? संजोग एक पंजाबी फिल्म है। इसमें जस्सी गिल और हैप्पी रायकोटी जैसे शानदार कलाकार लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन हरीश गार्गी ने किया है। एक्ट्रेस की यह पहली पंजाबी फिल्म नहीं है, इससे पहले वह गिप्पी ग्रेवाल की एक्शन थ्रिलर फिल्म इक संधू हुंदा सी में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन राकेश मेहता ने किया। नेहा एक्ट्रेस बनने से पहले फैशन डिजाइनर बनने का ख्वाब देखती थीं, इसके लिए उन्होंने कुछ समय तक फैशन इंडस्ट्री में काम भी किया, लेकिन इस दौरान उनका झुकाव फिल्मों की तरफ बढ़ गया और उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने का फैसला किया।

नेहा ने साल 2007 में साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे राम चरण की तेलुगू फिल्म चिरुथा में काम किया। इसके बाद साल 2010 में उन्होंने इमरान हाशमी की फिल्म क्रूक से बॉलीवुड में डेब्यू किया और लोगों ने उनके काम को काफी सराहा। इसके बाद, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह क्या सुपर कूल हैं, यमला पगला दीवाना 2, तुम बिन 2, मुबारकन, यंगिस्तान, तानाजी जैसी कई फिल्मों में नजर आईं।